श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 244 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 21 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

बड़ा सड़क हादसा, कार और ट्रक की टक्कर, हादसे में एक ही परिवार के पांच की मौत

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के इज्जतनगर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत की खबर है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। ट्रक और कार की टक्कर हुई है। इज्जतनगर के बिलवा पुल पर यह हादसा हुआ। हादसे का शिकार लोग दरगाह पर हाजिरी देने के लिए जा रहे थे। कार का टायर फट गया, जिससे कार बेकाबू होकर ट्रक से टकरा गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुट गई है।

अग्निपथ योजना का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, अवैध घोषित करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवाओं को सेना में भर्ती करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक याचिका दायर कर इसे अवैध घोषित करने की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि यह योजना अवैध है, क्योंकि यह संविधान के प्रावधानों के विपरीत है। इसे संसद की मंजूरी व गजट अधिसूचना जारी किए बगैर लाया गया है। यह याचिका वकील मनोहर लाल शर्मा ने दायर की है। शर्मा ने याचिका में कहा है कि सरकार ने एक सदी पुरानी सेना भर्ती प्रक्रिया को खारिज कर दिया है। यह संविधान के खिलाफ है। बता दें, यह योजना 24 जून से शुरू हो चुकी है। इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में युवाओं ने उग्र प्रदर्शन व आगजनी की। आंदोलन बीते पांच दिनों से जारी है।

योग से बढ़ता है शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा: सीएम बघेल

आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में योगाभ्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में प्रात: योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को योग दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए लोगों से योग को अपने दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मन की एकाग्रता बढ़ती है।

मुख्यमंत्री बघेल ने अपने संदेश में कहा है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है स्वस्थ्य रहना। योग मनुष्य की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाता है। हम भी अपने जीवन में योग को जोड़े और रोग दूर भगाएं। योग सिर्फ कसरत नहीं है, बल्कि ये एक ऊर्जा के रूप में काम करता है। आप योग को अपनाकर पूरी उम्र सेहतमंद और बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

कोरोना काल में यह स्पष्ट हो गया है कि केवल धन-संपदा ही महत्वपूर्ण नही है, बल्कि स्वस्थ्य तन और स्वस्थ्य मन दोनों की आवश्यकता होती है। इसलिए तंदुरूस्त रहने के लिए नियमित योग बहुत जरूरी है। योग हमारी प्राचीन परंपरा है। यदि हम सब नियमित रूप से योग करें तो तन भी स्वस्थ्य रहेगा और मन भी स्वस्थ्य रहेगा। जीवन में सकारात्मकता आएगी। इसलिए योग नियमित करें, इसका लाभ उठाएं। सीएम बघेल ने कहा कि तन और मन दोनों स्वस्थ्य रहेंगे तो हम किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में हमने सिर्फ भौतिक साधनों को ही सफलता का पैमाना मान लिया है, जबकि स्वस्थ तन और स्वस्थ मन के बिना हर सफलता अधूरी है। कोरोना-संकट के दौर में योग की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। तन-मन से चुस्त-दुरुस्त रहकर ही हम गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के सपने को तेजी से साकार कर सकते हैं।

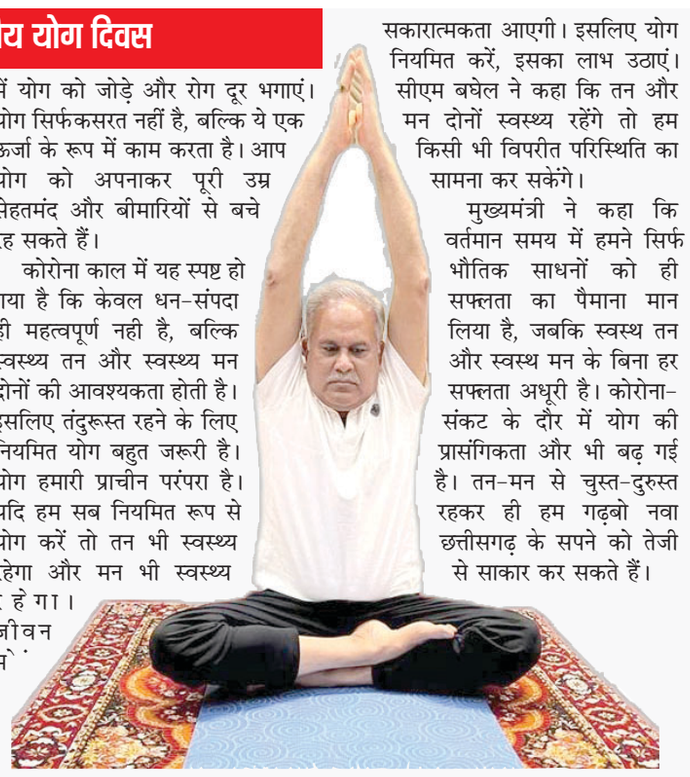

पूरे प्रदेश में योग दिवस की धूम, सभी वर्गों में दिखा उत्साह

आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुए विशेष आयोजन, जनप्रतिनिधियों सहित सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक किया योग

रायपुर। आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रदेश के हर जिले में विशेष आयोजन किए गए। जीवन को रोगमुक्त और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से दैनिक जीवन में नियमित योगाभ्यास को शामिल करने के संकल्प के साथ सभी ने मनोयोग से योग किया। योग दिवस पर रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बालोद, दंतेवाड़ा, कांकेर, सिहावा समेत प्रदेशभर में विशेष आयोजन हुए, जहां महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्गों सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग के विभिन्न अभ्यास किए।

नियमित योग करने वाले व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है- मंत्री ताम्रध्वज साहू

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी और सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने की मंगलकामना की है। उन्होंने कहा कि योग से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सभी रोगों से मुक्ति मिलती है। नियमित योग, व्यायाम और प्राणायाम करने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाया जा सकता है, इसलिए हम सभी को योग क्रियाओं को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर दिन नियमित योग का अभ्यास करके अपने जीवन को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से उज्ज्वल बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक योग दिवस की धूम, पीएम मोदी और राष्ट्रपति कोविंद ने भी किया योगासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पूरे देश में लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति से लेकर सेना के जवान योगासन कर दुनिया को योग की ताकत संदेश दे रहे हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के हिमवीरों ने 8 तारीख को लद्दाख में 17,000 फीट की ऊंचाई पर योग किया।

योग दिवस के अवसर पर पीएम मोदी भी पूरे जोश में दिखे। उन्होंने कर्नाटक के मैसूर पैलेस में हर तरह के आसन कर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया। लद्दाख में आईटीबीपी जवानों का योगासन देख हर कोई हैरान है। भारी बर्फबारी के बीच बिना वस्त्र के योगा करना भारतीय सेना की ताकत को दिखाता है।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की केंद्रीय स्काई टीम ने भारी बर्फ के बीच 14,000 फीट की ऊंचाई पर रोहतांग दर्रे पर योगा दिवस समारोह में भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा कि योग संपूर्ण मानवता के लिए है। योग विश्व में शांति लाता है। पीएम ने संयुक्त राष्ट्र का भी अभिनंदन किया। साथ ही कहा कि योग से शांति केवल व्यक्तियों के लिए नहीं है, यह हमारे राष्ट्रों और दुनिया में शांति लाता है।

बाबा रामदेव में हरिद्वार के पतंजलि योगपीठ में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के हिमवीरों ने 8वें योगा दिवस पर उत्तराखंड में 14,500 फीट की ऊंचाई पर योग किया। कर्नाटक के मैसूर पैलेस में योगा दिवस की धूम देखने को मिली। जहां पीएम मोदी समेत और भी कई नेता मौजूद थे। आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने नोएडा सेक्टर 26 में योग कार्यक्रम में भाग लिया।

वेंकैया नायडू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाएगी भाजपा? अमित शाह की बैठक से लग रहे कयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की। राष्ट्रपति चुनाव पर भाजपा की आज होने वाली अहम बैठक से पहले यह मुलाकात हुई।

ऐसे में इस बात के कयास लगने काफी तेज हो गए हैं कि क्या एम वेंकैया नायडू सत्तापक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे? मालूम हो कि सिंह और नड्डा को पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव पर विपक्ष सहित विभिन्न दलों से बात करने का जिम्मा सौंपा है।

नायडू के साथ शाह, सिंह और नड्डा की मुलाकात इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि आज ही भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक होने वाली है। इस बैठक में राजग के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर मंथन किया जाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस बैठक में शामिल हो सकते हैं।

नड्डा और सिंह दोनों ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने के लिए अभी तक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी, जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार, बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख नवीन पटनायक और नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला सहित वरिष्ठ नेताओं से बात की है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव में संख्या बल के आधार पर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन मजबूत स्थिति में है और उसे अगर बीजू जनता दल या आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी वाईएसआर कांग्रेस जैसे दलों का समर्थन मिल जाए उसकी जीत सुनिश्चित हो जाएगी।

ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का आदेश देने वाले जज समेत 619 न्यायिक अधिकारियों का तबादला

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात कुल 619 न्यायिक अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इस सूची में वाराणसी के कई न्यायिक अधिकारी भी शामिल हैं। ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का आदेश देने वाले सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर का तबादला बरेली किया गया है।

प्रदेश भर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रैंक के 285 न्यायिक अधिकारी, सिविल जज सीनियर डिवीजन रैंक के 121 न्यायिक अधिकारी तथा सिविल जज जूनियर डिवीजन रैंक के 213 न्यायिक अधिकारियों के तबादले में वाराणसी के सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर का नाम भी शामिल है।

कुछ दिन पहले ही उन्हें धमकी भरा पत्र मिला था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से जारी तबादला आदेश में स्थानांतरित किए गए सभी न्यायिक अधिकारियों से कहा गया है कि उन्हें हर हाल में चार जुलाई 2022 तक अपना प्रभार सौंपना होगा। इस आशय की अधिसूचना इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल आशीष गर्ग की ओर से सोमवार को जारी की गई है।

हजार के करीब, बीते 24 घंटों में 9923 लोग संक्रमित, 17 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी मंगलवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 9,923 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 17 मरीजों की जान चली गई। बता दें कल 18 मरीजों की मौत हुई थी। हालांकि, बीते 24 घंटों में 7,293 लोग डिस्चार्ज भी हुए। देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 79,313 हो गई है जो कि कल की तुलना में 2613 अधिक है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,24,890 लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली में कोरोना हुआ खतरनाक

दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। बीते 24 घंटों में यहां 1060 मामले दर्ज किए गए जबकि छह लोगों की मौत हो गई। संक्रमण दर 10 फीसदी के पार चली गई है। पिछले कुछ दिनों से ये आंकड़ा छह से सात फीसदी के बीच चल रहा था। ऐसे में एक ही दिन में संक्रमण दर में बड़ा उछाल देखने को मिला है जो कि आने वाले दिनों के लिए खतरे की घंटी है।

मुंबई में भी कोरोना के मामले 1300 के पार

मुंबई की बात करें तो देश की आर्थिक राजधानी में बीते 24 घंटों में कोरोना के 1310 मामले सामने आए। मुंबई में आज कोरोना से संक्रमित 2 मरीजों की मृत्यु भी हुई है। बीएमसी की तरफ से आज कुल 9,949 लोगों की कोरोना जांच की गई।

दैनिक सकारात्मकता दर 2.55 प्रतिशत

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में दैनिक सकारात्मकता दर 2.55 प्रतिशत और साप्ताहिक सकारात्मकता दर 2.67 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं महामारी ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,27,15,193 हो गई, जबकि मामले की मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत थी। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक देश में 196.32 करोड़ वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ के सभी कांग्रेसी विधायकों का दिल्ली बुलावा, राहुल से पूछताछ के विरोध में होंगे शामिल

रायपुर (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लगातार पूछताछ को लेकर कांग्रेस आक्रमक हो गई है। देशभर से कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का दिल्ली में जमावड़ा है। इधर छत्तीसगढ़ के सभी कांग्रेसी विधायकों को दिल्ली बुलाया गया है। कुछ विधायक सुबह की फ्लाइट से दिल्ली उड़े हैं। कुछ दोपहर तक दिल्ली पहुंच जाएंगे। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, पीपीसी चीफ सांसद, विधायक सहित कई नेता दिल्ली में ही डटे हुए हैं।

बता दें कि 13 जून को ईडी ने राहुल गांधी से 9, 14 जून को 11 घंटे और 15 जून को 8 घंटे पूछताछ की थी। तीन दिनों में लगभग 28 घंटे की पूछताछ हुई।

उसके बाद 20 जून को फिर 8 घंटे से ज्यादा पूछताछ की गई। मंगलवार को पूछताछ के लिए फिर बुलाया गया है। इसके विरोध में दिल्ली की सड़कों पर कांग्रेस का प्रदर्शन जारी है। सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया, जिसमें सीएम भूपेश बघेल, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत सहित कई नेता शामिल हुए। ईडी मामले को लेकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर है। मोदी सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी व राहुल गांधी को ईडी द्वारा समन जारी करने पर देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन जारी है।

लगातार पूछताछ से कांग्रेसियों में भारी आक्रोश

ईडी ने मंगलवार को राहुल गांधी को फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे कांग्रेस के नेता भारी नाराज हैं। छत्तीसगढ़ के सभी विधायकों को दिल्ली बुला लिया गया है। विधायकों के अलावा कांग्रेस कई प्रमुख पदाधिकारी भी दिल्ली कूच कर गए हैं। सूत्र बता रहे हैं कि दिल्ली में कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के विधायक और कांग्रेस नेता भी शामिल होंगे। सीएम भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, पीसीसी चीफमोहन मरकाम, सांसद छाया वर्मा, सांसद दीपक बैज, सांसद ज्योत्सना महंत, विधायक विकास उपाध्याय सहित कई नेता पहले से दिल्ली में मौजूद हैं। एक कांग्रेस विधायक ने बताया कि कांग्रेस बड़े आंदोलन की रणनीति भी बना रही है।

योग दिवस पर पालथी का संकट

दीपक रंजन दास

पति-पत्नी सुबह-सुबह नई नकोर योगा मैट लेकर घर से निकल रहे थे कि कामवाली आती दिखाई दी। दोनों में खुसर-पुसर हुई और फिर उन्होंने कहा, 'कमला, तहूं चल न गा। आज योग दिवस हे। योग करबे तो बीमारी ले बचे रहिबे।' कमला ने तपाक से जवाब दिया, 'हमन ला नहीं लगै, योग-व्योग। काम बूता करे में बिक्कट कसरत हो जथे।' कितना सही कह रही थी वो। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने समूचे विश्व में हमारी शान को बढ़ाया है। इससे भारतीय जीवन पद्धति को स्वीकृति मिली है। पर इसका एक और पहलू भी है। जब पूरी दुनिया शान से योग करती है तब खाते-पीते भारतीय आसन करते हुए लुढ़कते दिखाई देते हैं। जिन्हें अपनी औकात पहले से ही पता होती है वे दरी पर पैरों को सामने फैलाकर बैठे रहते हैं। उन्हें पता है कि घुटना मुड़ने वाला नहीं है। मुड़ भी गया तो ज्यादा देर तक वहां ठहरेगा नहीं। जबरदस्ती की तो थोड़ी देर बाद पालथी खुलेगी नहीं। 90 फीसद लोगों से सामने या दायें-बायें झुका नहीं जाता। आखिर जिस देश ने योग दिया, उस देश में लोगों की ऐसी हालत क्यों हुई। दरअसल हमारे ऋषि मुनि जानते थे कि लोगों को योग के बारे में बताएंगे तो वो करेंगे नहीं। उन्हें यह चोंचले बाजी लगेगी। इसलिए उन्होंने इसे संस्कारों से जोड़कर हमारे जीवन में शामिल कर दिया। पैर छूकर प्रणाम करना सिखाया। खाना पकाने से लेकर भोजन करने तक का काम नीचे बैठकर करने का सलीका सिखाया। कपड़ा धोने के लिए नीचे बैठना सिखाया। झाड़ू लगाकर हैमस्ट्रिंग को सेट करना सिखाया तो पोंछा मारकर डक वाकिंग करवा दी। जिसने इतना कर लिया वह आजीवन फिट। जब लकड़ी की कुर्सियां बनी तो उसकी पीठ सीधी रखी। पर धीरे-धीरे सबकुछ नष्ट हो गया। खाना खड़े-खड़े पकाया जाने लगा, भोजन मेज-कुर्सी पर होने लगा, प्रणाम करने का नया स्टाइल ऐसा है कि झुकने की भी जरूरत नहीं पड़ती। छोटे दरवाजे वाले घर और मंदिर में घुसने के लिए झुकना पड़ता था पर अब दरवाजा इतना बड़ा कर लिया कि अकड़ कर वहां से गुजर सकते हैं। कपड़ा मशीन में धुलने लगा, झाड़ू पोंछा सबकुछ खड़े-खड़े करने का जुगाड़ बना लिया। बड़े घरों के टायलेट में कुर्सी लग गई। शावर और जकुजी में नहाना भी विलासिता हो गई। लिहाजा पैरों ने मुड़ना छोड़ दिया। कमर दर्द अब आम समस्या है। कुछ लोगों ने इस समस्या को समय रहते पहचान लिया। उन्होंने मॉर्निंग वॉक में कुछ कसरतों को शामिल किया ताकि घुटने मुड़े, शरीर दायें-बायें और सामने पीछे झुके। कुछ लोगों ने खेलकूद को अपना लिया तो कुछ लोग जिम जाने लगे। योग अब भी एक दिन का त्यौहार बना हुआ है। शरीर आपका है, चलाना है या नहीं, यह आपको ही तय करना है।

संपादकीय

ना हो हिंसा

किसी भी रोजगार योजना का ऐसा विरोध अभूतपूर्व व अफ्सोसनाक है। किसी योजना से असंतोष अपनी जगह है और उसके खिलाफआंदोलन या अभिव्यक्ति का अधिकार भी सबको है, लेकिन हिंसा या कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। यह दुखद तथ्य है कि देश में विरोध प्रदर्शनों के चलते सोमवार को 529 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। जिन लोगों की यात्रा प्रस्तावित होगी, जिनको कहीं आपात स्थिति में पहुंचना होगा, उन्हें कितनी परेशानी हुई होगी? रेलवे ने यह भी बताया है कि विरोध के मद्देनजर दिल्ली जाने वाली 71 ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। खास तौर पर पश्चिमी रेलवे जोन का बहुत बुरा हाल है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों में विशेष रूप से सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। यह विडंबना ही है कि सरकारी नौकरी चाहने वाले युवा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। क्या विरोध का यही तरीका है? क्या किसी दूसरे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध नहीं जताया जा सकता? हालांकि, यह भी अफ्सोस की बात है कि ऐसे हिंसक विरोध प्रदर्शन के पक्ष में किसी भी पार्टी को क्यों शामिल होना चाहिए? पूरे देश में इस मामले पर स्वाभाविक ही सियासत तेज हो गई है।

> हिंसा करने वाले युवा को भला कौन नौकरी पर रखना चाहेगा? अनेक युवा आज मानने लगे हैं कि किसी भी प्रकार से मकसद या लक्ष्य हासिल होना चाहिए? यह प्रवृत्ति ही हिंसा के लिए जिम्मेदार है। पिछले वर्षों में यह एहसास भी गहरा हुआ है कि शांति से अपनी बात कहो, तो सरकार नहीं सुनती है। समग्रता में सरकारों को संवेदना और समझदारी से काम लेना होगा, ताकि अमन-चैन बहाल हो।

ध्यान रहे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों में ही कहा है कि कुछ फैसले और सुधार भले ही शुरुआत में खराब लगते हैं, लेकिन लंबे वक्त में उनसे देश को फायदा होता है। अत: वास्तव में युवाओं को विश्वास में लेने के लिए फायदे गिनाने की जरूरत है। अगर युवाओं को बरगलाया जा रहा है, तो उन्हें रास्ते पर लाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। यह ऐसा समय है, जब सरकारी विभागों को सजग होकर अपने-अपने स्तर पर युवाओं को समझाना चाहिए। जिन राज्यों में हिंसा हो रही है, उनकी सरकारों को कमर कस लेनी चाहिए, ताकि जल्दी से जल्दी सामान्य जनजीवन बहाल हो। इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे देश में समाज का जो चरित्र बन गया है, उसमें किसी भी आंदोलन में असामाजिक तत्व उतर आते हैं। एकाधिक प्रमाण सरकार के हाथे लगे हैं। रविवार को सरकार ने फर्जी खबरें चलाने वाले 35 वाट्सएप समूहों पर पाबंदी लगाई है। ट्रेन पर पथराव करने व आगजनी के आरोपी युवाओं को गिरफ्तार करना पड़ रहा है। दरअसल, जब कोई हिंसा करता है, तब वह आम लोगों की सहज सहानुभूति को गंवा देता है। यह दुखद है कि इधर जितने भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, उनके साथ आम लोगों की स्वाभाविक सहानुभूति नहीं है। हिंसा करने वालों को अगर आप एक जगह रियायत देते हैं, तो फिर हर जगह रियायत देने की मांग उठने लगती है। अत: राज्य सरकारों द्वारा बरती जा रही कड़ाई को समझा जा सकता है।

बेशक, जो युवा शालीनता से अपनी बात रखना चाहते हैं, उनके प्रति सरकार में ममत्व या अभिभावक का भाव होना चाहिए। भला कौन इनकार करेगा कि युवाओं को रोजगार देना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन उन्हें अनुशासन का संदेश देना भी उतना ही जरूरी है। हिंसा करने वाले युवा को भला कौन नौकरी पर रखना चाहेगा? अनेक युवा आज मानने लगे हैं कि किसी भी प्रकार से मकसद या लक्ष्य हासिल होना चाहिए? यह प्रवृत्ति ही हिंसा के लिए जिम्मेदार है। पिछले वर्षों में यह एहसास भी गहरा हुआ है कि शांति से अपनी बात कहो, तो सरकार नहीं सुनती है। समग्रता में सरकारों को संवेदना और समझदारी से काम लेना होगा, ताकि अमन-चैन बहाल हो।

पश्चिम एशिया में नया चौगुटा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अगले माह सउदी अरब की यात्रा पर जा रहे हैं। उस दौरान वे इजराइल और फिलीस्तीन भी जाएंगे लेकिन इन यात्राओं से भी एक बड़ी चीज जो वहां होने जा रही है, वह है— एक नए चौगुटे की धमाकेदार शुरुआत! इस नए चौगुटे में अमेरिका, भारत, इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) होंगे। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जो चौगुटा चल रहा है, उसके सदस्य हैं— अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया। इस और उस चौगुटे में फर्क यह है कि उसे चीन-विरोधी गठबंधन माना जाता है जबकि इस पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन के जैसा कोई राष्ट्र नहीं है, जिससे अमेरिका प्रतिद्वंद्विता महसूस करता हो।

इसके अलावा इस चौगुटे के तीन सदस्यों का आपस में विशेष संबंध बन चुका है। भारत और सं.अ.अ. के बीच मुक्त व्यापार समझौता है तो ऐसा ही समझौता इजराइल और सं.अ.अ. के बीच भी हो चुका है। ये समझौते बताते हैं कि पिछले 25-30 साल में दुनिया कितनी बदल चुकी है। इजराइल- जैसे यहूदी राष्ट्र और भारत—जैसे पाकिस्तान-विरोधी राष्ट्र के साथ एक मुस्लिम राष्ट्र यूएई के संबंधों का इतना घनिष्ट होना अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हो रहे बुनियादी परिवर्तनों का प्रतीक है।

अमेरिका के राष्ट्रपति का इजराइल और फिलीस्तीन एक साथ जाना भी अपने आप में अति-विशेष घटना है। यों तो पश्चिम एशिया के इस नए चौगुटे की शुरुआत पिछले साल इसके विदेश मंत्रियों की बैठक से शुरु हो गई थी लेकिन अब इसका औपचारिक शुभारंभ काफी धूम-धड़ाके से होगा। मध्य जुलाई में इन चारों राष्ट्रों के शीर्ष नेता इस सम्मेलन में भाग लेंगे। जाहिर है कि यह नाटो, सेंटो या सीटो की तरह कोई सैन्य गठबंधन नहीं है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को सैन्य-इरादों से जोड़ा जा सकता है लेकिन पश्चिम एशिया में इस तरह की कोई चुनौती नहीं है।

ईरान से परमाणु-मुद्दे पर मतभेद अभी भी हैं लेकिन उसके विरुद्ध कोई सैन्य गठबंधन खड़ा करने की जरुरत अमेरिका को नहीं है।

वेद प्रताप वैदिक

> **अनुशासन, ईमानदारी, जोश, एस्प्रिट डी कोर, स्वयं से पहले सेवा, युवा और प्रभावशाली दिमाग में राष्ट्र-प्रथम दृष्टिकोण के गुणों का समावेश कई मायनों में राष्ट्र निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण गेम चेंजर होगा। मेरी राय में, यह योजना सेवाओं के साथ-साथ राष्ट्र के युवाओं के लिए एक जीत की स्थिति है और उच्च स्तर पर राष्ट्र निर्माण में इसका योगदान अभूतपूर्व होगा।**

अग्निपथः आज के वक्त की जरूरत

एयर चीफमार्शल आरकेएस भदौरिया, पीवीएसएम एवीएसएस वीएम (सेवानिवृत)

अग्निवीर योजना राष्ट्रीय रक्षा की यात्रा में एक नए युग की शुरुआत है जिसका सीधा असर रक्षा बलों के साथ-साथ राष्ट्र के युवाओं पर पड़ेगा। ये दोनों ही राष्ट्र के दो अभिन्न स्तंभ हैं। रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब इस योजना की घोषणा हुई तो माननीय रक्षा मंत्री इसकी अध्यक्षता कर रहे थे और मंच को तीनों सेना प्रमुखों द्वारा साझा किया गया था। इस योजना पर समाज के विभिन्न वर्गों ने अपने विचारों,आख्यानों, अलग-अलग संदर्भों में अपनी आशंकाओं के साथ-साथ कई पक्ष-विपक्ष के पहलुओं को भी उजागर किया है।

हमेशा विकास करती दुनिया में, परिवर्तन ही एकमात्र पहलू हैं जो निरंतर है। साथ ही, परिवर्तन का प्रतिरोध मानव स्वभाव का एक अभिन्न हिस्सा है जिसे ध्यान में रखने की आवश्यकता है। आगे बढ़ने से पहले आइए योजना की व्यापक रूपरेखा पर एक नजर डालते हैं।

सरकारी घोषणाओं के अनुसार अग्निवीर योजना तीनों सेनाओं (नौसेना, थल सेना और वायु सेना) में ऑफिसर्स रैंक से नीचे सिपाही(पीबीओआर) श्रेणी में सभी भर्तियों के लिए नया भर्ती मार्ग होगा। 17.5 वर्ष से 21 वर्ष के आयु वर्ग के योग्य उम्मीदवारों की भर्ती 4 वर्ष की निश्चित अवधि के लिए की जाएगी। चार साल के बाद, सभी अग्निवीरों को अपने संबंधित बलों में नियमित रूप से शामिल होने के लिए आवेदन करने का विकल्प दिया जाएगा। हालांकि,नियमित तौर पर केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही शामिल किया जाएगा।

सबसे पहले,आइए रक्षा सेवाओं पर योजना के संभावित प्रभाव पर विचार करें क्योंकि अग्निवीरों के उपयोग और इससे सेवाओं की परिचालन क्षमता और युद्ध क्षमता पर इसके प्रभाव पर सवाल उठाए गए हैं। भारतीय वायुसेना एक प्रौद्योगिकी-केंद्रित आधुनिक वायु सेना है जिसमें सभी लड़ाकू प्लेटफार्मों, उपकरणों के साथ-साथ एक नेटवर्क वातावरण में काम करने वाली हथियार प्रणालियां हैं। भारतीय वायुसेना को समकालीन प्रौद्योगिकी ज्ञान के साथ युवा और अनुकूलनीय लोगों की आवश्यकता है ताकि उन्हें कम से कम समय में उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित किया जा सके। इसके अलावा, जैसे-जैसे उभरती प्रौद्योगिकियां बेहद जल्दी आउटडेटेड भी हो रही हैं और हर गुजरते दिन के साथ इनका दायरा सिकुड़ जाता है, ऐसे में छोटी अवधि के लिए लगातार इंडक्शन लंबी प्रतिबद्धताओं के साथ इंडक्शन की तुलना में अधिक तार्किक हैं। एक छोटी चार साल की अवधि के बाद उम्मीदवारों के साथ-साथ सर्विसेज को भी निर्णय लेने का विकल्प देती है। पूर्ववर्ती व्यवस्था में ऐसा कोई विकल्प उपलब्ध नहीं था। नतीजन, एक ओर युवाओं का एक वर्ग 15-20 साल की न्यूनतम प्रतिबद्धता के कारण सर्विसेज में शामिल होने के विकल्प का उपयोग करने से आशंकित था, और दूसरी ओर, सर्विसेज को उभरती प्रौद्योगिकियों में वरिष्ठ /उम्रदराज लोगों को फिर से कौशल देने में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। युवा लोगों को बार-बार शामिल करना और लड़ाकों की औसत आयु में कमी सर्विसेज के लिए अच्छी होगी। सैनिकों की औसत आयु में कमी, जिन्हें आमतौर पर भारतीय वायुसेना में वायु योद्धा कहा जाता है, सर्विसेज के लिए एक बड़ा लाभ होगा। वास्तव में, प्रशिक्षण की अवधि, पैटर्न और साथ ही मौजूदा प्रणाली की तुलना में अग्निवीरों के पोस्टिंग प्रोफाइल में बदलाव करने की आवश्यकता होगी।

रक्षा सेवाएं राष्ट्रीय सुरक्षा के अंतिम गढ़ हैं और किसी को भी सेना प्रमुखों की दृष्टि और योजना पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। सर्विसेज ने अब तक नई योजना के सभी आयामों पर विचार-विमर्श किया होगा जिसमें प्रशिक्षण पैटर्न और परिचालन उपयोग शामिल हैं। किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी। भारत के सभी नागरिकों को निश्चिंत होना चाहिए कि रक्षा बल हर बार और हर पहलू में खुद को साबित करेंगे जब भी उन्हें ऐसा करने के लिए कहा जाएगा।

अन्य प्राथमिक हितधारक देश के युवा हैं। आइए युवाओं की आकांक्षाओं के साथ-साथ रुचियों पर भी विचार करें। सरकार द्वारा घोषित वित्तीय पैकेज 10वीं या 12वीं पास युवा वयस्कों के लिए सर्वोत्तम कॉरपोरेट्स की पेशकश की तुलना में बहुत अधिक है। नई भर्ती के लिए 30,000 रुपए प्रति माह और इसके अतिरिक्त 9000 रुपए प्रति माह सरकार द्वारा उनकी सेवा निधि के लिए योगदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हर साल वेतन में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह रेखांकित करना उचित है कि बोर्डिंग, लॉजिंग, चिकित्सा सुविधाओं आदि अधिकांश दैनिक आवश्यकताओं की देखभाल सर्विसेज द्वारा की जाती है, इसलिए अग्निवीर को इन पहलुओं पर कोई पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी। चूंकि आय का बहुत कम हिस्सा जीवन यापन की लागत की ओर जा रहा होगा, इसलिए वेतन के अधिकांश हिस्से को बचाया जा सकता है। साथ ही चार साल पूरे होने पर प्रत्येक अग्निवीर को 11 लाख रुपये से अधिक की राशि उसके सेवा निधी खाते के मैच्योर होने पर मिलेगी।

आर्थिक लाभ के अलावा, यह योजना युवाओं की अन्य आकांक्षाओं को भी पूरा करेगी जिसमें गर्व, स्वाभिमान और कौशल विकास के साथ-साथ नई एनईपी 2020 के अनुरूप शैक्षिक योग्यताएं शामिल हैं। जैसा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा पहले ही एनईपी 2020 ला चुका है, यूजीसी और इग्नू इसके जरिए अग्निवीरों के लिए उनकी शैक्षिक योग्यता को उन्नत करने की व्यवस्था और विकल्प तैयार करेंगे। इससे उन लोगों की दूसरी पारी सुगम बनेगी जो सर्विसेज द्वारा नियमित नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में इन युवा और कुशल नागरिकों को शामिल करने के लिए गृह मंत्रालय पहले से ही एक योजना शुरू करने की प्रक्रिया में है। उनके पास सरकारी क्षेत्र, उद्योग, आईटी क्षेत्र के साथ-साथ कॉर्पोरेट जगत में एक अच्छी नौकरी की तलाश करने या अपनी सेवा निधि का उपयोग करके अपना खुद का उद्यम शुरू करने के विकल्प भी होंगे।

आखिर में अग्निपथ योजना का राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान रहेगा। अनुशासन, ईमानदारी, जोश, एस्प्रिट डी कोर, स्वयं से पहले सेवा, युवा और प्रभावशाली दिमाग में राष्ट्र-प्रथम दृष्टिकोण के गुणों का समावेश कई मायनों में राष्ट्र निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण गेम चेंजर होगा। मेरी राय में, यह योजना सेवाओं के साथ-साथ राष्ट्र के युवाओं के लिए एक जीत की स्थिति है और उच्च स्तर पर राष्ट्र निर्माण में इसका योगदान अभूतपूर्व होगा।

पार्टी को राष्ट्रीय बताकर क्या कमाल कर पाएंगे केसीआर

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

दो विफल प्रयासों के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में उतरने को उत्सुक हैं। चूंकि उन्हें यह एहसास है कि राष्ट्रीय स्तर पर कोई राजनीतिक दल उनके नाम पर सहमत नहीं है, इसलिए वह अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए वह संभवत: अपनी क्षेत्रीय पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) को राष्ट्रीय दल का जामा पहनाकर भारतीय राष्ट्र समिति के रूप में पेश कर सकते हैं। साल 2019 में, संसदीय चुनावों से ठीक पहले उन्होंने तीसरा मोर्चा बनाने की पहली कोशिश की थी, जिसे भाजपा और कांग्रेस, दोनों के खिलाफखड़ा करने की योजना थी, मगर यह परवान न चढ़ सका। इस साल उन्होंने फिर से राष्ट्रीय एका का विचार रखा, और गैर-भाजपा व गैर-कांग्रेस दलों को जोड़ने के लिए उन्होंने देश भर की खाक छानी। मगर आप, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, शिव सेना जैसे दल अब भी अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं।

नतीजतन, अब उन्होंने मोर्चा बनाने के बजाय कुछ-कुछ गठबंधन बनाकर 2024 का चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसके लिए उन्होंने आप, समाजवादी पार्टी और जनता दल (एस) का मन टटोलने का प्रयास किया है। बीजद (ओडिशा) और वाईएसआरसीपी (आंध्र प्रदेश) से भी उन्होंने संपर्क साधा है। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक साझा उम्मीदवार नामित करने में शेष विपक्ष के साथ हाथ मिलाने से परहेज किया है, क्योंकि पिछले दिनों जब ममता बनर्जी की मेगा बैठक में 17 विपक्षी दलों ने भाग लिया, तब आप, शिरोमणि अकाली दल, वाईएसआरसीपी और बीजद के साथ-साथ टीआरएस उसमें शामिल नहीं हुई थीं। दिलचस्प है कि इन्हीं चंद पार्टियों से टीआरएस अपने लिए उम्मीद पाल रही है।

543 लोकसभा सीटों में से दक्षिणी राज्यों के पास 130 सीटें हैं। अब तक यहां के सिर्फ दो नेता प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच पाए हैं। जनता दल (एस) नेता एचडी देवेगौड़ा ने 1996-97 में एक साल से भी कम समय के लिए यह पद संभाला। उन्हें 'एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' कहा जाता है। इससे पहले, चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी की हुई हत्या के बाद 1991 में पीवी नरसिंहा राव प्रधानमंत्री बने थे। यह राजनीतिक संन्यास की ओर बढ़ रहे राव की वापसी थी, और उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा को बदलने वाले फैसले किए। फिर भी, इन दोनों प्रधानमंत्रियों का चुनाव अप्रत्याशित ही था। देखा जाए, तो सी राजगोपालाचारी को छोड़कर दक्षिण का कोई नेता ऐसा राजनीतिक संगठन बनाने में सफल नहीं हो सका है, जो अखिल भारतीय स्तर का हो।

लिहाजा, केसीआर दक्षिण के ऐसे दूसरे नेता होंगे, जो राष्ट्रीय अपील के साथ पार्टी शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है कि महज क्षेत्रीय दलों को जोड़ने और भाजपा जैसे दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मोर्चा बनाने से मदद नहीं मिलने वाली। वह एक वैकल्पिक एजेंडे की वकालत कर रहे हैं, जिसमें एक नई कृषि, आर्थिक और औद्योगिक नीति शामिल है। उन्होंने चुनावी योजना तैयार करने के लिए प्रशांत किशोर से भी मदद ली है। हालांकि, विदेशों में रहने वाले तेलुगु अनिवासियों को छोड़कर राज्य से बाहर इसकी कोई अपील नहीं दिखती। इसका कारण स्वाभाविक है, क्योंकि केसीआर राजनीतिक रूप से कभी भी भरोसेमंद साबित नहीं हो सके हैं। जब तेलंगाना आंदोलन शुरू हुआ था, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और खुद का संगठन बना लिया। और, जब सत्ता में आए, तो भाजपा से हाथ मिला लिया। 2014 से 2019 के बीच उन्होंने संसद में भाजपा को समर्थन दिया, लेकिन 2019 में उन्होंने तीसरा मोर्चा शुरू करने की बात कही, और जब बात नहीं बनी, तो फिर भाजपा के साथ चले गए। मगर पिछले नवंबर में हुजूराबाद विधानसभा उप-चुनाव में भाजपा के हाथों मिली हार और हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में करीबी मुकाबले के बाद वह फिर भाजपा से टकराने की बात कहने लगे हैं।

बहरहाल, कुछ राजकीय योजनाओं की सफलता और दो बार लगातार राज्य विधानसभा चुनाव जीतना एक बात है और राष्ट्रीय दल बनने के लिए देश भर में पार्टी का विस्तार करना अलग बात है। केसीआर दक्षिण के अन्य नेताओं के विपरीत बेशक हिंदी और उर्दू ठीक-ठाक बोल लेते हैं, पर यह अपने आप में पर्याप्त योग्यता नहीं है। उन्हें एक ऐसा नजरिया पेश करना होगा, जो सबसे अलग हो और भाजपा की ध्रुवीकृत राजनीति का मुकाबला करने में सक्षम हो। दक्षिण में बुनियादी समर्थन जुटाए बगैर उनका यह सपना शायद ही पूरा हो सकेगा। राष्ट्रपति चुनाव उनके लिए यह मौका हो सकता था, पर लगता है कि वह इसमें चूक गए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

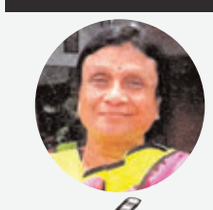

जर्रे-जर्रे से आवाज आई, बच्चों आबाद रहो खुश रहो, कदम जहां भी रखों फूलों से, सड़कों में, बाजारों में, तुम्हारा स्वागत हो।

-अंजली जैन
7024460938

पिंजरा, खुली जेल, कैदी मनुष्य!

हरिशंकर व्यास

पांच हजार साल पहले मनुष्य जीवन ऑर्गेनिक मौलिकताओं से स्वस्थ और सच्चा था। बिना मानसिक विकारों-विकलांगताओं के था। बुद्धि स्वतंत्र और विवेकी थी। लेकिन मानव इतिहास की नंबर एक त्रासदी है जो बुद्धि के विवेक ने मनुष्य को भटकाया। उसने पशुपालन, शाकाहार के अनुभव में पहले तो प्लांटपालन याकि खेती का आइडिया बनाया। फिर उसकी व्यवस्थाओं में आपसी साझे के ऐसे नियम-कायदे बना डाले, जिनका अंत परिणाम पशुपालन के साथ मानवपालन हुआ। मनुष्य ने बेसुधी में अपने को जानवर बना दिया। अपने एनिमल फार्म बना डाले ज्तभी वह गुलामी के असंख्य पिंजरों में है। आठ अरब लोगों का जीवन ओपन जेल के भिन्न-भिन्न परिवेश में सांस लेते हुए है।

प्रलय का मुहाना -26- यक्ष प्रश्न है मनुष्य ने अपने को क्या बनाया? मनुष्य बुद्धि ने कमाल किया, उससे मानव विकास हुआ लेकिन खुद बुद्धि का क्या बना? वह पराधीन हुई! गुलाम हुई। डिब्बाबंद हुई। असंख्य घेरों के चक्रव्यूह में जकड़ती गई। वह बेड़ियों में बंधी। पराश्रित हुई! व्यवस्थागत हुई। रिश्तों के विषैलेपन से जहरीली हुई। आदेशों, दायित्वों, उत्तरदायित्वों की अनुपालनाओं की पालनकर्ता बनी। अपने गले में वर्ग, वर्ण, धर्म, नस्ल, लिंग, रंग, पहचान, मान-सम्मान, स्टेट्स के आइडेंटिटी कार्ड लटका बैठी। वह ह्यूमन चिड़ियाघर की पालतू प्रजातियों का नमूना बनी! विकास की भौतिकताओं, औजारों के उपयोग और उपभोग की यांत्रिक मशीन बनी। वह विकास का पहिया-ईंधन बनी और खुद अपने को उसकी मंजिल का पराधीन बनाया। याद करें पांच हजार साल पहले की ऑर्गेनिक मनुष्य खोपड़ी पर। वह ढाई लाख साल पहले शुरू हुए होमो सेपियन का प्रारब्ध था। तब मनुष्य जंगल का आजाद प्राणी था। बुद्धि की अंत:प्रेरणा और उसकी मुक्तता व स्वतंत्रता में हिरण, हंस और शेर की तरह पृथ्वी पर फैलता हुआ था। दिल-दिमाग की जिज्ञासाओं, कल्पनाओं, निर्भयता में मनुष्य की बुद्धि उड़ती हुई थी। कोई उसे रोकने, टोकने, बांधने वाला नहीं था। वह रिलेशनों, उतरदायित्वों, समाज, धर्म, राजनीति, व्यवस्थाओं के बिना बोध के था। वह स्वतंत्र था। शेर जैसा शिकारी था। हिरण जैसा भोला-मासूम था। हंस जैसा मोती चुगता समझदार था। जंगल उसका प्राकृतिक अभयारण्य था। सब कुछ सहज, सरल, ओरिजिनल और सात्विकताओं याकि बिना झूठ, प्रपंच, प्रायोजनों, पाखंडी व्यवस्थाओं और प्रबंधों के!

तभी तुलना करें मनुष्य खोपड़ी की तब और अब की अवस्था पर! तब मनुष्य अपनी बुद्धि का खुद स्वामी था। खोपड़ी का तंत्रिका जाल जो सोचता, जो चाहता, जो समझता उस अनुसार मनुष्य शरीर का व्यवहार था।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पताः- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

केंद्रीय संचार ब्यूरो के जागरूकता प्रतियोगिता के विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने किया भोरमदेव में आम जन संग योगभ्यास

श्रीकंचपथ न्यूज

कबीरधाम। 8वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर परिसर में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया । आजादी के अमृत महोत्सव की थीम पर आधारित इस योगोत्सव की मुख्य अतिथि, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरूता रहीं । इस अवसर पर स्थानीय सांसद, संतोष पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष, सुश्री सुशीला भट्ट, नगर पालिका के अध्यक्ष, ऋषि शर्मा, जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव, उपसचिव, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया ।

सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह ने कहा कि योग पूरे मानवता के लिए कल्याणकारी है । उन्होंने भोरम देव मंदिर के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन ग्रंथों में योग के लिए शिव का उल्लेख है । योग की महिमा बताते हुए उन्होंने योग को परिभाषित किया । उन्होंने कहा कि योग लोगों को जोड़ने का कार्य करता है, इसीलिए इसे योग कहा जाता है । राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के प्रसार के लिए वैश्विक स्तर पर कार्य किया है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सत्प्रयासों के कारण ही योग वैश्विक हो पाया है । मंत्री ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने के लिए यूनाइटेड नेशंस की भी सराहना की ।

इस अवसर पर सांसद श्री पांडेय ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिकाधिक योग के प्रचार की अपील की ।

गणमान्य अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात् बाद लोगों ने मैसुरू से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के योग विषयक विचार को सुना । प्रधानमंत्री के वक्तव्य को सुनने के लिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी । प्रधानमंत्री के उद्बोधन के दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बनता था । उन्होंने जैसे ही कहा कि योग अब हर भारतीय के जीवन का हिस्सा है तो तालियों की गड़गड़ाहट और भारत माता की जय के घोष से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा । इससे पहले जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारियों ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के बाद हुआ । वहीं कार्यक्रम के आरंभ में छत्तीसगढ़ का राज्यगीत गाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह सरूता द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा योग के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित, जागरूकता प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मेडल, पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया । उन्होंने निबंध, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया । गौरतलब है कि योग के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जिलास्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें कबीरधाम जिले के 805 प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की थी । सोमवार को आत्मानंद स्कूल में फाइनल प्रतियोगिता हुई थी । जिसमें रंगोली में वेदिका प्रथम, कृतिका द्वितीय व डॉली अरोड़ा तीसरे स्थान पर रही थी । चित्रकला प्रतियोगिता में प्रांजल मिश्रा प्रथम, दीनबंधु देवांगन द्वितीय व उषा सोनवानी तीसरे स्थान पर रहे थे।

नरवा विकास: वर्ष 2021-22 में कैम्पा मद से 38 लाख संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर

वनांचल के 1962 छोटे-बड़े नालों में 8 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि होगी उपचारितः वन मंत्री अकबर

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित सुराजी गांव योजना के तहत नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 में 392 करोड़ रूपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें 01 हजार 962 नालों के 8.17 लाख हेक्टेयर जल ग्रहण क्षेत्र में लगभग 38 लाख भू-जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य के वन क्षेत्रों में भू-जल संरक्षण तथा संवर्धन के लिए बड़े तादाद में जल स्रोतों, नदी-नालों और तालाबों को पुनर्जीवित करने का कार्य लिया गया है। कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के तहत प्रदेश के दो राष्ट्रीय उद्यान, दो टाईगर रिजर्व, 01 सामाजिक वानिकी तथा 01 एलीफेंट रिजर्व सहित 30 वन मंडलों के नालों में भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाएं निर्मित की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) मद से बनने वाली इन जल संग्रहण संरचनाओं से वनांचल में रहने वाले लोगों और वन्य प्राणियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही नाले में पानी का भराव रहने से आस-पास की भूमि में नमी बनी रहेगी। इससे खेती-किसानी में सुविधा के साथ-साथ आय के स्रोत और हरियाली में भी वृद्धि होगी। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि नरवा विकास योजना के तहत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के अंतर्गत गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान सरगुजा के 50 नालों में 96 हजार 850 तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जगदलपुर के 7 नालों में 13 हजार 559 संरचनाओं का निर्माण किया किया जा रहा है। इसी तरह इन्द्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर के 93 नालों में एक लाख 80 हजार 847 तथा अचानक मार्ग टायगर रिजर्व लोरमी के 52 नालों में एक लाख से अधिक संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। इसी तरह वन मंडलवार बिलासपुर के 50 नालों में 96 हजार 850, मरवाही के 128 नालों में 2 लाख 48 हजार 516, कोरबा के 83 नालों में एक लाख 59 हजार 802 तथा कटघोरा के 50 नालों में 96 हजार 850 संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर के छह नालों में 12 हजार, बलौदाबाजार के 97 नालों में एक लाख 87 हजार 970, धमतरी के 10 नालों में 19 हजार 757, सुकमा के 65 नालों में एक लाख 24 हजार 936, बीजापुर के 28 नालों में 53 हजार 752 तथा दंतेवाड़ा के 5 नालों में 10 हजार 575 संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। कोरिया के 123 नालों में 2 लाख 37 हजार 669, मनेन्द्रगढ़ के 85 नालों में एक लाख 63 हजार 676, कांकेर के 74 नालों में एक लाख 43 हजार 904 तथा पूर्व भानुप्रतापपुर के 25 नालों में 48 हजार 426 संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। वन मंडलवार केशकाल के 33 नालों में 64 हजार 260 हजार 220 संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

खास खबर

जिला रोजगार कार्यालय में किया गया प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

राजनांदगांव। जिला रोजगार कार्यालय तहसील परिसर राजनांदगांव में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। प्लेसमेंट कैम्प में विभिन्न नियोजकों द्वारा 140 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया और 49 आवेदक प्रारंभिक चयन प्रकिया में सफल हुए। जिसमें प्रथम हॉस्पीटलिटी ट्रेनिंग सेन्टर ममता नगर राजनांदगांव द्वारा ऑफिस एसोसिएट, स्टेवार्ड एवं हाऊसकीपिंग अटेंडेंट के कुल 52 आवेदकों को साक्षात्कार लिया गया। जिसमें 24 आवेदक प्रारंभिक चयन प्रक्रिया में सफल हुए। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम राजनांदगांव द्वारा एलआईसी एजेंट के लिए 45 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया। जिसमें 9 आवेदक प्रारंभिक चयन प्रक्रिया में सफल हुए।

कलेक्टर की जनचौपाल में मिले 18 आवेदन

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह सोमवार को आयोजित जनचौपाल में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 18 लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर आवेदकों को उनकी समस्या के निराकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनचौपाल में 18 नागरिकों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। जनचौपाल में ग्राम चिंगरपार के माखनलाल और यादराम देवांगन ने वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन दिया। जिसे समाज कल्याण विभाग को प्रेषित करते हुए आवश्यक निराकरण के निर्देश दिये गये। ग्राम बेलटुकरी के कार्तिक साहू ने शौचालय निर्माण के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास में शौचालय की आवश्यकता है।

पंचायत प्रतिनिधियों के वित्तीय अधिकार बढ़ें, करारोपण सिस्टम हो मजबूत

वित्त आयोग को स्थानीय निकाय से मिले सुझाव, अध्यक्ष ने कहा, अच्छे फीडबैक मिले, शासन को कराएंगे अवगत

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। वित्त आयोग के अध्यक्ष सरजियस मिंज एवं अधिकारीगण जिला पंचायत सभा कक्ष में दुर्ग संभाग के स्थानीय प्रतिनिधियों से मिले तथा उनसे पंचायती राज संस्थाओं की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने को लेकर सुझाव भी लिये। श्री मिंज ने सबसे पहले पंचायत प्रतिनिधियों से सुझाव लिये और इसके बाद जनपद पंचायत और जिला पंचायत के प्रतिनिधियों से सुझाव लिये। स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि पंचायतों की आय मजबूत करने से इनमें और भी प्रभावी तरीके से काम हो पाएगा लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर करारोपण और इसकी वसूली प्रभावी रूप से नहीं हो पा रही। सरपंचों को इस संबंध में अधिक अधिकार मिले तो इसकी वसूली प्रभावी रूप से हो पाएगी।

गांव में सरपंच-सचिव के पास काफी काम होते हैं यदि करारोपण और वसूली के लिए पृथक से अमला हो तो यह कार्य प्रभावी रूप से हो सकेगा। इसके लिए जिला पंचायत तक करारोपण के कैडर को मजबूत करना होगा। इसके साथ ही पंचायत अपने यहां कार्यों के लिए विभिन्न विभागों को

अनापत्ति प्रमाणपत्र देते हैं। बहुत से काम ऐसे होते हैं जिसमें विभागों को आय अर्जित होती है। इस एनओसी के लिए कुछ राशि पंचायत द्वारा ली जाए और इसका उपयोग गांव में उपयोगी संसाधनों के निर्माण के लिए किया जाए। इसके साथ ही ऐसे क्षेत्रों का भी चुनाव करना चाहिए जहां पर शुल्क लगाकर गांव के लिए उपयोगी कार्य किये जा सकते हैं। मसलन बोर खनन का विषय है। किसी ने बोर खनन कराया तो इसके बदले कुछ शुल्क दें ताकि उस पर पौधरोपण, सोख्ता गड्ढा जैसे कार्य कराए जा सकें ताकि बोर खनन के माध्यम से होने वाली पानी की क्षति को संतुलित किया जा सके। इससे गांव में वाटर हारवेस्टिंग भी कराई जा सकती है। बैठक के पश्चात आयोग के अध्यक्ष श्री मिंज ने प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग जमीनी परिस्थितियों पर लगातार नजर रख रहा है और जनप्रतिनिधियों से लगातार चर्चा कर रहा है। बातचीत से उपयोगी फीडबैक मिलते हैं जिन्हें शासन की ओर प्रेषित किया जाएगा। इस दौरान संभागायुक्त महादेव कांवरे ने भी अपना संदेश दिया। श्री कांवरे ने कहा कि स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों से हुई बातचीत में बहुत सी उपयोगी बातें सामने आई हैं। इन उपयोगी सुझावों के क्रियान्वयन से पंचायती राज संस्थाओं के बेहतर संचालन में और मदद मिल पाएगी। इस दौरान आयोग के सचिव सतीश पांडे, संयुक्त सचिव जेएस विरदी भी मौजूद थे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन सहित संभाग के अन्य जिलों के सीईओ भी मौजूद रहे।

वित्तीय अधिकार बढ़ें तो जनाकांक्षाओं को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं पूरा

बैठक में स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि जनता से होने वाले लगातार संवाद के दौरान जनता की माँगें सामने आती हैं। इन्हें पूरा करने के लिए स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों के वित्तीय अधिकार का दायरा और बढ़ाने की जरूरत है। अपने क्षेत्र के विकास के लिए एक निश्चित राशि भी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को दी जानी चाहिए। पंद्रहवें वित्त की राशि का उपयोग पेयजल के इतर कामों के लिए भी होना चाहिए क्योंकि जलजीवन मिशन के आने के बाद इस क्षेत्र में दिक्कत दूर हुई है। जनपद पंचायत और जिला पंचायत को व्यावसायिक गतिविधि के माध्यम से आय बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शालिनी रिवेंद्र यादव ने विस्तार से पंचायतों के आय के विस्तार के लिए सुझाव दिये और पंचायती राज को अधिक मजबूत बनाने सुझावों पर चर्चा भी की।

दुर्ग निगम के वार्ड 58-59 के नागरिक पहुंचे जनदर्शन में, आधार कार्ड निर्माण व संशोधन के लिए शिविर लगाने की मांग

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग के वार्ड 58 और 59 के रहवासी कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां जनदर्शन में उन्होंने कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे से आधार कार्ड निर्माण व संशोधन के लिए विशेष शिविर लगाने मांग रखी। वार्ड के नागरिकों ने कहा कि इन वार्ड में आईएचएसडीपी कालोनी और अटल-बाम्बे आवास में लगभग 5000 से अधिक लोग निवास करते हैं। देखने में यह आया है कि यहां के बहुत से रहवासियों के आधार कार्ड में काफी त्रुटि है जिसकी वजह से उनके बच्चों का एडमिशन नहीं हो पा रहा।

बच्चों के आधार कार्ड नहीं है। यदि शिविर लग जाता तो लोगों को काफी मदद होती। जनदर्शन में ग्राम कुटेलाभाठा के राशनकार्ड धारी भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा राशनकार्ड धारियों को पांच किलोग्राम अतिरिक्त राशन प्रदान किया जाता है जो उन्हें नहीं मिल रहा। ग्राम पंचायत खोपली के काशीडीह पारा के निवासियों ने भी जनदर्शन में अपना आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम खोपली के मुख्य गांव और आश्रित पारा कुल्हरडीह में अमृत मिशन की टंकी बन चुकी है और घर-घर पानी दिया जा रहा है लेकिन पारा काशीडीह में जहां 300 लोगों की आबादी है अब तक अमृत मिशन की पानी टंकी नहीं लगी है। बटंग से एक आवेदक ने वृद्धावस्था पेंशन के संबंध में अपना आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा के नीचे आते हैं। ग्राम पंचायत उमरकोटी की महिला ने बताया कि उनके पति की मृत्यु करेंट लगने से हुई। इसके लिए आरबीसी छह-चार के अंतर्गत उन्होंने अपना आवेदन भरा है। कलेक्टर ने सभी मामलों में नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई कर प्रार्थियों को शीघ्र राहत दिलाने के निर्देश दिये। जनदर्शन में समाजसेवियों ने धमधा रोड में जिला आयुर्वेदिक कालेज परिसर के पास पशु औषधालय खोलने की माँग रखी। इनका कहना था कि आसपास कोई पशु औषधालय नहीं होने की वजह से मवेशियों को दूर तक इलाज के लिए ले जाना पड़ता है। जनदर्शन में आज कुछ आवेदन राजस्व संबंधी प्रकरणों के आये। कलेक्टर ने इन प्रकरणों में उचित कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर को जिला शतरंज संघ के पदाधिकारियों ने भी अपना ज्ञापन दिया। इन पदाधिकारियों ने बताया कि आल इंडिया चेस फेडरेशन द्वारा पूरे देश में चेस इन स्कूल्स प्रोजेक्ट के तहत एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। जिले के स्कूलों को भी इससे जोड़ा जाए तो शतरंज के प्रति यहां के बच्चों का रूझान बढ़ेगा।

भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिल रहा न्याय

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार सभी वर्गों के विकास और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रही है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई न्याय योजनाओं से ग्रामीणों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है। इसी कड़ी में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले भूमिहीन परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरुआत की है।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत वर्तमान में प्रदेश के 3 लाख 54 हजार 766 हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। इनमें 2 लाख 36 हजार 479 पुरुष, एक लाख 18 हजार 249 महिला एवं 38 ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। इस योजना से भूमिहीन परिवारों को आर्थिक संबल मिला है। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष से इस योजना के तहत मिलने वाली राशि 6 हजार से बढ़ाकर 7 हजार रूपए कर दी है।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का लाभ भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ-साथ धोबी, नाई, लोहार और पुजारी जैसे कार्यों पर निर्भर लोगों को भी मिल रहा है। योजना में इससे न केवल उन्हें परिवार चलाने के लिए आर्थिक सहयोग मिला है बल्कि वह अपने अन्य जरूरी घरेलू खर्चों को भी अब आसानी से कर पा रहे हैं।

योजना में आदिवासी अंचलों के सिरहा, गुनिया, आदिवासियों के देव स्थल के हाट पहरिया, चालकी, मोहरिया को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया गया है।

ग्रामीण अंचलों में न्याय योजनाओं से बड़ी संख्या में लोगों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है। इनमें लगभग 22 लाख 87 हजार किसानों के राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इनपुट राशि दी जा रही है। गोधन न्याय मिशन के माध्यम से 2 लाख 11 हजार पशुपालक एवं ग्रामीण लाभान्वित हो रहे है, इसके अलावा लगभग 13 हजार समूह की महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों में रोजगार मिल रहा है। वनांचल में तेंदूपत्ता संग्रहण से लगभग 12 लाख परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

राज्य में लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर शिक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, स्वामी आत्मानन्द इंग्लिश और हिन्दी माध्यम स्कूलों से गरीब तबकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। राज्य में 171 अंग्रेजी माध्यम और 32 हिन्दी माध्यम के स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक, दाई दीदी क्लीनिक, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से लाखों लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा की सुविधा मिल रही है। इसी प्रकार रियायती दरों पर गुणवत्ता युक्त दवा उपलब्ध कराने के लिए जिला मुख्यालयों के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्रों में धन्वन्तरी जनरिक मेडिकल स्टोर्स प्रारंभ किया गया है।

व्यक्तित्व विकास, कौशल संचार एवं उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के कृषि एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान समेती रायपुर तथा प्रसार शिक्षण संस्थान (ई.ई.ई) आनंद, गुजरात के संयुक्त तत्वाधान से 13 जून से व्यक्तित्व विकास, संचाल कौशल तथा एसआरईपी बनाने की तकनीक का प्रशिक्षण समेती रायपुर में दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में कृषि विभाग से सहायक संचालक कृषि, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर (आत्मा), ब्लाक टेक्नोलाजी मैनेजर एवं असिस्टेंट टेक्नोलाजी मैनेजर तथा पशुपालन विभाग से सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 13 जून से 15 जून के मध्य व्यक्तित्व विकास विषय पर, 16 से 18 जून के मध्य प्रभावी विस्तार सेवाओं के लिए संचार कौशल विषय पर तथा 20 एवं 21 जून के मध्य एस.आर.ई.पी. बनाने की तकनीक विषय पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन समेती, रायपुर में किया जा रहा है। संचालक समेती सी.एन. सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षण की महत्ता समझाते हुए सभी विभाग के मैदानी अमलों के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा अपेक्षा की गयी कि प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण टूल्स के माध्यम से जो ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास प्राप्त होगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

राज्य में खरीफ फसलों की बुआई शुरू धान और साग-सब्जी की हो चुकी 26 हजार 190 हेक्टेयर में बुआई

रायपुर। राज्य में मानसून के आते ही खरीफ फसलों की बुआई शुरू हो गई है। कृषि विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार किसान बोता धान के अलावा दलहन-तिलहन और साग-सब्जी की बुआई करने लगे हैं। अब तक 26 हजार 190 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुआई हो चुकी है, जिसमें धान 23,450 हेक्टेयर के अलावा अरहर, मूंगफली तथा साग-सब्जी एवं अन्य अनाज की फसलों की बुआई शामिल है। राज्य में खरीफ सीजन 2022 में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलों की बुआई का लक्ष्य है, जिसमें 36 लाख 60 हजार 500 हेक्टेयर में धान, 3 लाख 14 हजार हेक्टेयर में मक्का, एक लाख 6 हजार हेक्टेयर में कोटो-कुटकी, 40 हजार हेक्टेयर में रागी की बुआई का लक्ष्य है। इसी तरह दलहन फसलों के अंतर्गत अरहर की एक लाख 70 हजार, मूंग की 33 हजार, उड़द की 2 लाख 10 हजार तथा कुल्थी की 35 हजार हेक्टेयर में बुआई का लक्ष्य रखा गया है। तिलहन फसलों के अंतर्गत मूंगफली, तिल, सोयाबिन, रामतिल, सूरजमुखी अरण्डी की बुआई 2 लाख 67 हजार 700 हेक्टेयर में किए जाने का लक्ष्य साग-सब्जी और अन्य फसलों की बुआई 2 लाख 83 हजार हेक्टेयर में किए जाने के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 2700 हेक्टेयर में बोनी पूरी कर ली गई है। खरीफसीजन 2022 के लिए खाद एवं बीज की किसानों को आपूर्ति की व्यवस्था सहकारी समितियों के माध्यम से की गई है। खरीफ की विभिन्न फसलों के बीज की कुल मांग 10.05 लाख क्विंटल के विरूद्ध अब तक 5.68 लाख क्विंटल बीज का भण्डारण तथा 2.62 लाख क्विंटल बीज का उठाव किसानों द्वारा कर लिया गया है, जो भण्डारण का 46 प्रतिशत है। खरीफ में 13 लाख 70 हजार मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक के वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 9.13 लाख मेट्रिक टन खाद का भण्डारण सहकारी तथा निजी क्षेत्रों में करने के साथ ही 4.98 लाख मेट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है।

लाख पालक कृषकों का प्रशिक्षण जारी, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक जायसवाल द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के तत्वाधान में 26 जून तक लाख पालन हेतु वृत्त स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके तहत 20 से 21 जून तक भानुप्रतापुर में तथा 23 से 24 जून तक कटघोरा में कुसुमी लाख पालन और 25 से 26 जून तक अम्बिकापुर में रंगीनी लाख पालन के संबंध में लाख पालक कृषकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण स्थल भानुप्रतापपुर में गरियाबंद, कोण्डागांव, कांकेर, पूर्व भुनप्रतापपुर, पश्चिम भानुप्रतापपुर, नारायणपुर, जगदलपुर, बीजापुर तथा सुकमा वन मंडल के लाख पालक कृषक तथा संबंधित स्व-सहायता समूह के सदस्य भाग लेगें। इसी तरह प्रशिक्षण स्थल कटघोरा में कोरबा, कटघोरा, धमरजयगढ़, रायगढ़, जशपुर, रामपुर, कवर्धा तथा बिलासपुर और प्रशिक्षण स्थल अम्बिकापुर में कोरिया, मनेन्द्रगढ़, बलरामपुर, सूरजपुर, सरगुजा, मरवाही तथा कटघोरा के लाख पालक कृषक शामिल होंगे। प्रशिक्षण पूर्व प्रधान वैज्ञानिक (आईसीएआर-आईआईएनआरजी) रांची-झाराखंड एके जायसवाल द्वारा दिया जाएगा।

धान की प्रचलित किस्मों का रकबा 5 लाख हेक्टेयर कम करने विशेष अभियान

रायपुर। खरीफ 2022 में धान के बदले अन्य फसलों के क्षेत्राच्छान को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। इस साल 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की प्रचलित किस्मों के स्थान पर धान की विशेष किस्मों यथा सुगंधित धान, जिंक धान एवं जैविक धान तथा अन्य फसलों जैसे-मक्का, कोटो-कुटकी, रागी, अरहर, उड़द, मूंग, तिल, रामतिल, सोयाबिन एवं गन्ना को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम के तहत अब तक राज्य के 3 लाख 21 हजार किसानों द्वारा एक लाख 70 हजार हेक्टेयर रकबे में धान के बदले अन्य फसल लेने की सहमति दी गई है। सहमत किसानों में से 10,847 किसानों द्वारा लगभग 8,762 हेक्टेयर में क्षेत्र में गन्ना एवं अन्य उद्यानिकी फसलों की बोनी की गई है।

कृषि एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को व्यक्तित्व विकास कौशल संचार एवं उन्नत तकनीक का दिया जा रहा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के कृषि एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान समेती रायपुर तथा प्रसार शिक्षण संस्थान (ई.ई.ई) आनंद, गुजरात के संयुक्त तत्वाधान से 13 जून से व्यक्तित्व विकास, संचाल कौशल तथा एसआरईपी बनाने की तकनीक का प्रशिक्षण समेती रायपुर में दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कृषि विभाग से सहायक संचालक कृषि, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर (आत्मा), ब्लाक टेक्नोलाजी मैनेजर एवं असिस्टेंट टेक्नोलाजी मैनेजर तथा पशुपालन विभाग से सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों भाग ले रहे हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 13 जून से 15 जून के मध्य व्यक्तित्व विकास विषय पर, 16 से 18 जून के मध्य प्रभावी विस्तार सेवाओं के लिए संचार कौशल विषय पर तथा 20 एवं 21 जून के मध्य एसआरईपी बनाने की तकनीक विषय पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन समेती, रायपुर में किया जा रहा है।

संचालक समेती सीएन सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षण की महत्ता समझाते हुए सभी विभाग के मैदानी अमलों के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा अपेक्षा की गयी कि प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण टूल्स के माध्यम से जो ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास प्राप्त होगा उसे प्रभावी तरीके से किसानों तक पहुंचाने का दायित्व प्रशिक्षणार्थियों का है।

उद्घाटन सत्र में आनंद, गुजरात से आए विशेषज्ञ डॉ बी.एस. दिवेकर ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों में अलग ही व्यक्तित्व, कौशल एवं ज्ञान विकास के साथ उन्नत कृषि तकनीकी के संदेश सही विधि से किसानो तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होते हैं, जो कि उनके विभागीय कार्यों के सम्पादन के लिए भी लाभदायक होंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संवाद कौशल, संवाद के बाधक तत्व, तनाव प्रबंधन, सार्वजनिक भाषण कला, ग्राफिक डिजाइन, समय प्रबंधन, विरोधाभाष प्रबंधन, अच्छे लीडर के गुण, एसआरईपी आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान संचालनालय कृषि से उपस्थित अपर संचालक कृषि सीबी लोण्डेकर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता बताते हुए सभी प्रतिभागियों को कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। प्रसार शिक्षण संस्थान (ई.ई.ई), आंनद गुजरात से डॉ. रविकुमार चौधरी, डॉ. योगेश राठवा, डॉ.ए.सी. जटापरा एवं समेती रायपुर से डॉ. प्रकाश शिंदे तथा संचालनालय कृषि से रितेश मोटघरे द्वारा प्रशिक्षण संचालन में विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

राज्य के शेष 8 जिलों में राष्ट्रीय बागवानी मिशन लागू करने का प्रस्ताव

मत्स्य कृषकों के समान उद्यानिकी कृषकों को भी अनुदान पर मोटर सायकिल प्रदाय करने की योजना को विस्तारित किए जाने का आग्रह

छत्तीसगढ़ शाकंभरी बोर्ड की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शाकंभरी बोर्ड अध्यक्ष राम कुमार पटेल की अध्यक्षता में रायपुर स्थित बोर्ड कार्यालय में सदस्य पवन पटेल, दुखवा पटेल, अनुराग पटेल, हरि पटेल एवं अधिकारियों कर्मचारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उद्यानिकी कृषकों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

अध्यक्ष रामकुमार पटेल ने कहा कि कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों से किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने और उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए राजीव गाधी किसान न्याय योजना में इसे शामिल किया गया है। उन्होंने योजना के तहत उद्यानिकी फसलों की खेती करने वाले किसानों को इसका लाभ दिलाए जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय काम-काज और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में शाकंभरी बोर्ड के सदस्यों ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन को राज्य के शेष 8 जिलों में लागू करने तथा मछली पालन विभाग में मछुआरों को मोटर साइकिल प्रदाय करने के लिए संचालित योजना को उद्यानिकी विभाग में भी विस्तारित करने का सुझाव दिया। उन्होंने उद्यानिकी कृषकों को भी अनुदान सहायता पर मोटर सायकिल प्रदान करने तथा राष्ट्रीय बागवानी मिशन को राज्य के शेष 8 जिलों में लागू करने का प्रस्ताव बोर्ड के माध्यम से शासन को भिजवाए जाने का आग्रह किया। राजधानी रायपुर में उद्यानिकी कृषकों के प्रशिक्षण हेतु 2 एकड़ में शाकंभरी भवन का भी निर्णय लिया गया, ताकि उद्यानिकी कृषकों को उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा सके।

मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने घोषित किया छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड का परीक्षा परिणाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा तथा उर्दू अदीब, उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा 2022 के परिणाम स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज अपने निवास कार्यालय में घोषित किया। उन्होंने परीक्षा में उत्तीर्ण सभी परीक्षार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के सचिव डॉ. आई. ए. अंसारी सहित छ.ग.मदरसा बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा में 92.69 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा (कला संकाय) में 94.03 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी वाणिज्य संकाय में 83.33 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी विज्ञान संकाय में 96.55 प्रतिशत, उर्दू अदीब एवं उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा में शत-प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम में बालक 95.24 प्रतिशत तथा बालिका 90 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा कला संकाय में बालक 91.11 प्रतिशत तथा बालिका शत-प्रतिशत, विज्ञान संकाय में बालक 94.44 प्रतिशत तथा बालिका शत-प्रतिशत, वाणिज्य संकाय में बालक 80 प्रतिशत तथा बालिका शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। उर्दू अदीब प्रमाण-पत्र परीक्षा में बालक-बालिका शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा में भी बालक-बालिका शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम परीक्षार्थीगण छ.ग.मदरसा बोर्ड की वेब साइट http://result.cgmadarsaboard.in/result पर देख सकते हैं।

दाई दीदी क्लीनिकों में एक लाख से ज्यादा महिलाओं का किया गया इलाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दाई दीदी क्लीनिक योजना के तहत अब तक एक लाख दो हजार 807 से अधिक महिलाओं का इलाज किया गया है। दाई दीदी मोबाईल क्लीनिक में महिला स्टाफ के साथ एमएम यू के डॉक्टर गरीब तंग बस्तियों में पहुंचकर नगरीय स्लम इलाके में रहने वाली गरीब एवं अन्य बीमार महिलाओं एंव बच्चियों का भी नि:शुल्क इलाज कर रहे है। मरीजों का पैथोलॉजी संबंधित विभिन्न जांच नि:शुल्क की जाती है। मरीजों का परामर्श एवं नि:शुल्क दवा उपलब्ध करायी जा रही है। दाई दीदी क्लीनिक योजना के तहत विभिन्न स्लम बस्तियों में 1379 शिविर लगाये गये जिसमें एक लाख दो हजार 807 से अधिक महिलाओं मरीजों का इलाज किया गया है। दाई दीदी क्लीनिकों में 18 हजार 466 महिलाओं के विभिन्न पैथोलॉजी लेब टेस्ट किया गया और 97 हजार 491 महिलाओं को नि:शुल्क दवा वितरण की गई है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 56.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 56.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 20 जून तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिलें में सर्वाधिक 130.7 मिमी और बस्तर जिले में सबसे कम 15.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 27.2 मिमी, सूरजपुर में 37.2 मिमी, बलरामपुर में 30.9 मिमी, जशपुर में 33.6 मिमी, कोरिया में 44.3 मिमी, रायपुर में 40.4 मिमी, बलौदाबाजार में 86.5 मिमी, गरियाबंद में 56.7 मिमी, महासमुंद में 56.5 मिमी, धमतरी में 38.1 मिमी, बिलासपुर में 89.2 मिमी, मुंगेली में 129.8 मिमी, रायगढ़ में 64.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 121.2 मिमी, कोरबा में 84.9 मिमी, दुर्ग में 43.6 मिमी, कबीरधाम में 75.7 मिमी, राजनांदगांव में 57.2 मिमी, बालोद में 92.7 मिमी, बेमेतरा में 77.7 मिमी, कोण्डागांव में 18.1 मिमी, कांकेर में 23.7 मिमी, नारायणपुर में 16.3 मिमी,दंतेवाड़ा में 23.0 मिमी, सुकमा में 26.0 मिमी और बीजापुर में 28.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

छत्तीसगढ़ ने केन्द्रीय पूल में जमा किया 48.13 लाख मीट्रिक टन चावल

रायपुर। छत्तीसगढ़ द्वारा केन्द्रीय पूल के कोटे का चावल जमा कराए जाने का सिलसिला तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के परिपालन में खाद्य एवं मार्कफेड द्वारा उपार्जन केन्द्रों एवं संग्रहण केन्द्रों से धान का उठाव का काम पूरा हो चुका है। कस्टम मिलिंग और केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराए जाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा अब तक केन्द्रीय पूल में 48.13 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराया जा चुका है। चावल जमा कराने के मामले में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में से एक है जिसमें अपने कोटे का लगभग दो तिहाई से अधिक हिस्से का चावल जमा कर दिया है।

गौरतलब है कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ को केन्द्रीय पूल में कुल 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल देना है। इस लक्ष्य को हासिल करने राज्य में विशेष रणनीति तैयार की गई, जिसके चलते समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के साथ-साथ उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव एवं कस्टम मिलिंग का काम भी अनवरत रूप से जारी रहा। परिणाम स्वरूप मानसून आने से पहले ही राज्य के सभी 2484 उपार्जन केन्द्रों से लगभग शत-प्रतिशत धान का उठाव हो चुका है। कस्टम मिलिंग का काम तेजी से कराया जा रहा है। जिसके चलते चावल जमा करने में इस साल छत्तीसगढ़ अपने लक्ष्य को हासिल करने के करीब पहुंच गया है।

खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि राज्य में कस्टम मिलिंग के लिए अब तक 97.93 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है, जो कि समर्थन मूल्य पर क्रय किए गए 98 लाख मीट्रिक टन धान का लगभग शत-प्रतिशत है। केन्द्रीय पूल में 48.13 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराया जा चुका है, जिसमें भारतीय खाद्य निगम में 24.80 लाख मीट्रिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 23.32 लाख मीट्रिक टन चावल शामिल है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

इंडियन सिनेमाः भारत में बनने वाली 2400 फिल्मों में 500 सिर्फ हिंदी भाषा की, लेकिन कुल रेवेन्यू में साउथ का योगदान बॉलीवुड से ज्यादा

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री हर साल करीब 1800 फिल्में प्रोड्यूस करती है। इसी के साथ ये इंडस्ट्री दुनियाभर में सबसे ज्यादा फिल्में प्रोड्यूस करने वाली इंडस्ट्री है, लेकिन ये बात कम लोग ही जानते हैं कि इंडियन फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों तक ही नहीं बल्कि करीब 25 भाषाओं वाली टॉलीवुड, मॉलीवुड और सैंडलवुड को भी अपने दायरे में रखती है। साउथ की इंडस्ट्री तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ सालाना होने वाली कमाई में भी 40 प्रतिशत योगदान देती है।

इंडियन सिनेमा के रेवेन्यू में 47 प्रतिशत साउथ इंडस्ट्री का कॉन्ट्रीब्यूशन

साल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार साउथ इंडस्ट्री, इंडियन सिनेमा के कुल रेवेन्यू में 47 प्रतिशत योगदान देती है। भारत का फिल्मों से आने वाला रेवेन्यू 3 हजार 800 करोड़ है जिसमें से करीब 1900 करोड़ सिर्फ साउथ का कॉन्ट्रीब्यूशन है। वहीं बॉलीवुड का 40 प्रतिशत और अन्य इंडस्ट्री का 13 प्रतिशत है। तमिल इंडस्ट्री का 13 प्रतिशत, तेलुगू का 13 प्रतिशत, कन्नड़ और मलयालम इंडस्ट्री 5-5 प्रतिशत योगदान है। प्रोडक्शन के लिहाज से साउथ फिल्म भारत की कुल फिल्मों में से 50 प्रतिशत फिल्में प्रोड्यूस करती है।

भारत की 5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में किस इंडस्ट्री की कौन सी फिल्म

भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म दंगल है जिसने 1964 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन और सिर्फ भारत में 387 करोड़ कमाए थे। ये हिंदी भाषा की फिल्म थी। वहीं दूसरे नंबर पर तेलुगू भाषा का बाहुबली 2 है, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया गया था। फिल्म ने 1749 करोड़ कमाए थे। इस टॉप 5 लिस्ट में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीन बड़ी फिल्में हिंदी, तेलुगू और कन्नड़ की हैं। हिंदी की दो फिल्में दंगल और बजरंगी भाईजान हैं, तेलुगू की दो- बाहुबली, आरआरआर और कन्नड़ की एक केजीएफ 2। इस लिस्ट में कलेक्शन के अनुसार सबसे तेलुगू इंडस्ट्री कमाई में सबसे आगे है।

आर माधवन की 'रॉकेट्री' में बैकग्राउंड में कोई भी रोल करने को तैयार थे शाहरुख, नहीं ली फीस

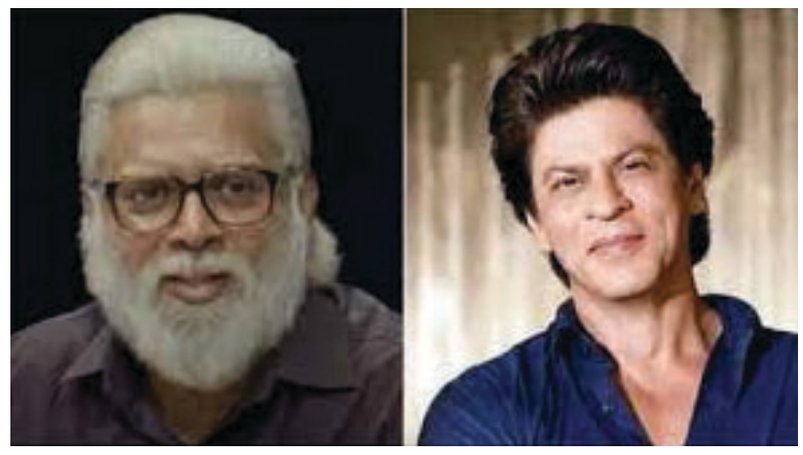

आर माधवन इन दिनों अपनी फिल्म 'रॉकेट्री: द नांबी इफेक्ट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए माधवन को कान फिल्म फेस्टिवल में स्टैंडिंग ओवेशन भी मिल चुका है। 'रॉकेट्री' में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान भी कैमियो करते नजर आएंगे। लेकिन क्या आप इस बात को जानते हैं कि शाहरुख ने खुद ही माधवन से फिल्म में रोल मांगा था और वह इसके लिए कोई फीस भी नहीं ले रहे हैं।

'रॉकेट्री: द नांबी इफेक्ट' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे मे आर माधवन फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान माधवन ने इस बात की जानकारी दी कि शाहरुख उनकी फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। शाहरुख ने माधवन से कहा था कि उन्हें बैकग्राउंड में कोई भी रोल चलेगा। वहीं, अपने रोल के लिए शाहरुख ने कोई फीस भी नहीं ली।

आर माधवन ने कहा कि एक बर्थडे पार्टी के दौरान शाहरुख खान ने मुझसे फिल्म के स्टेटस के बारे में पूछा था और फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि वह बैकग्राउंड में कोई भी रोल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन वह इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहते हैं। उस वक्त आर माधवन को लगा था कि वह मजाक कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पत्नी सरिता की सलाह पर शाहरुख की मैनेजर को शुक्रिया कहने के लिए मैसेज किया। जिस पर जवाब आया कि खान साहब डेट्स पूछ रहे हैं। ऐसा वह हमारी फिल्म का हिस्सा बने।

इतना ही नहीं फिल्म में कैमियो करने वाले अभिनेता सूर्या ने भी कोई फीस नहीं ली है। माधवन ने कहा कि दोनों अभिनेताओं ने अपने कॉस्टयूम और असिस्टेंट के लिए भी कोई फीस चार्ज नहीं की। बता दें कि 'रॉकेट्री: द नांबी इफेक्ट' वैज्ञानिक नांबी नारायण के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 1 जुलाई को हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होने वाली है।

लंदन फिल्म फेस्टिवल में दिखेगा तापसी पन्नू की 'दोबारा' का जलवा, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

'पांचों अंगुलियां घी में' इन दिनों ये कहावत बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू पर एकदम सटीक बैठती है। तापसी आजकल खूब चर्चा में हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शाबाश मिट्ठू के जरिए खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मिताली राज की बायोपिक में नजर आने वाली अभिनेत्री की थ्रिलर फिल्म 'दोबारा' का 23 जून को लंदन फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होने जा रहा है। इसकी जानकारी लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल ने अपने इंस्टाग्राम पर दी है।

उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया गया है कि फिल्म का प्रीमियर 23 जून को फिल्म फेस्टिवल में होगा। उन्होंने इसके जरिए तापसी के लुक को भी साझा किया है। तापसी पन्नू अभिनीत यह फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित और शोभा कपूर व एकता आर कपूर और सुनीर खेतरपाल और गौरव बोस द्वारा निर्मित है।

'दोबारा' की बात करें तो यह एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अलग-अलग दशकों में दो लोगों के बीच फंसी एक युवती के बारे में दिखाया गया है। फिल्म के निर्देशक अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि दोबारा ओरिओल पाउलो की 2018 की स्पेनिश भाषा की फिल्म मिराज का हिंदी रीमेक है। इसमें तापसी पन्नू लीड रोल में हैं। मिराज में एक 12 वर्षीय लड़के की कहानी को दिखाया गया है जिसकी मौत एक आंधी के दौरान हो जाती है। पच्चीस साल बाद उसी अपार्टमेंट में रहने आई एक महिला ऐसे ही तूफान के दौरान एक टेलीविजन सेट के माध्यम से उस लड़के से जुड़ जाती है। इस बार उसके पास लड़के की जान बचाने का मौका होता है।

फेस्टिवल में इस फिल्म के अलावा 24 फीचर और 18 शॉर्ट फिल्में भी यूके की अलग-अलग जगहों पर दिखाई जाएंगी। ओपनिंग नाइट स्क्रीनिंग और वर्ल्ड प्रीमियर 23 जून को बीएफआई साउथबैंक में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद अनुराग की फिल्म से संबंधित सवाल जवाब भी किए जाएंगे। यह फेस्टिवल 3 जुलाई तक चलेगा, जिसमें लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम और लीड्स में प्रस्तुतियां होंगी। बीएफआई प्लेयर स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लघु फिल्मों के चयन की मेजबानी करेगा।

भाईजानः सलमान खान की फिल्म में साउथ सुपरस्टार राम चरण की एंट्री एक्टर ने ऑफर सुनते ही कह दिया था हां

सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली लगातार खबरों में बनीं हुई है। फिल्म अपनी शूटिंग से ही चर्चा में है। कभी इस फिल्म का टाइटल चेंज होने की खबरें आती हैं तो कभी कास्ट में बदलाव की। अब हाल ही में रिपोर्ट्स आई हैं कि फिल्म में राम चरण एक कैमियो रोल में दिखाई देंगें। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, वेंकटेश, जस्सी गिल, पलक तिवारी और राघव जुयाल भी नजर आएंगे। वहीं फिल्म को फरहाद सम्जी डायरेक्ट कर रहे हैं।

ऑफर सुनते ही राम चरण ने हां कर दी

सलमान खान इन दिनों हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। यहां पर उनका 25 दिनों का शेड्यूल है वो यहां पर अपनी फिल्म के एक ग्रैंड सॉन्ग की भी शूटिंग करेंगे। इसी सॉन्ग में राम चरण भी कैमियो में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान ने राम चरण से हैदराबाद में मुलाकात की और यहीं उन्होंने राम चरण को कैमियो का ऑफर किया। ऑफर सुनते ही साउथ सुपरस्टार ने भी तुरंत हां कर दी।

सलमान की रामचरण से है अच्छी दोस्ती

सलमान खान की राम चरण और उनके पिता चिरंजीवी से अच्छी दोस्ती है। चिरंजीवी की अपकमिंग फिल्म गॉड फादर में सलमान भी कैमियो करते दिखाई देंगे। कभी ईद कभी दिवाली में राम चरण का कैमियो भी इसी दोस्ती का हिस्सा माना जा रहा है।

सलमान कर रहे फिल्म को प्रोड्यूस

ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कभी ईद कभी दिवाली का नाम पहले की तरह भाईजान कर दिया गया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से अभी तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। दरअसल, अब इस फिल्म को सलमान खान ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसके पहले सलमान के दोस्त और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला कर रहे थे। फिल्म की शूटिंग के लिए सलमान पिछले दिनों ही मुंबई से हैदराबाद रवाना हुए हैं। यहां उनका 25 दिन का शेड्यूल है।

क्रिएटिव मतभेद के चलते अलग हुए आयुष

इस फिल्म में सलमान के जीजा आयुष और जहीर इकबाल भी नजर आने वाले थे। लेकिन अब उनके जीजा यानी आयुष शर्मा इस फिल्म से अब बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही फिल्म से जहीर इकबाल का भी रिप्लेसमेंट भी देखा जा रहा है।

आयुष शर्मा और सलमान खान एक साथ पहली बार फिल्म 'अंतिम द फाइनल ट्रुथ' में नजर आए थे। कभी ईद कभी दिवाली से वह दूसरी बार स्क्रीन शेयर करने वाले थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सलमान के बहनोई आयुष फिल्म की टीम से कुछ क्रिएटिव मतभेदों के चलते इस प्रोजेक्ट से बाहर हुए हैं। आयुष ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने दिन की शूटिंग भी पूरी की थी।

केजीएफ चैप्टर 3: यश के साथ फिल्म में काम करना चाहती हैं बॉलीवुड की कई बड़ी एक्ट्रेसेस, मेकर्स को कर रहीं अप्रोच

साउथ के सुपरस्टार यश इन दिनों 'केजीएफ-3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले ही मेकर्स ने कंफर्म किया था कि केजीएफ-3 पर काम चल रहा है। इस पार्ट में एक बार फिर यश 'रॉकी' के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में आईं खबरों के मुताबिक, इस फिल्म के तीसरे पार्ट के लिए मेकर्स एक नई एक्ट्रेस की तलाश शुरू करेंगे। हालांकि, फिल्म के लिए कास्टिंग प्रोसेस अभी शुरू नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि केजीएफ-3 में यश के साथ काम करने के लिए कई बॉलीवुड एक्ट्रेस पहले से ही फिल्म के मेकर्स को फीलर्स भेज रही हैं।

ए-लिस्टर बॉलीवुड एक्ट्रेसेस को कास्ट करने पर विचार कर रहे मेकर्स

सूत्रों के मुताबिक, आरआरआर और केजीएफ जैसी फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस को देखते हुए अब बॉलीवुड एक्ट्रेसेस एक सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। कुछ ए-लिस्टर बी-टाउन एक्ट्रेसेस ने अब केजीएफ के मेकर्स को यश के अपोजिट कास्ट होने में अपनी रुचि व्यक्त करते हुए फीलर्स भेजे हैं। बॉलीवुड से रवीना टंडन और संजय दत्त केजीएफ-2 में लीड रोल में और मौनी रॉय केजीएफ-1 में एक स्पेशल नंबर में नजर आए थीं। मेकर्स निश्चित रूप से केजीएफ-3 में यश के अपोजिट रोल के लिए एक बड़ी ए-लिस्ट बॉलीवुड स्टार को लेने पर विचार कर रहे हैं।

फिल्म की स्क्रिप्ट पर चल रहा काम, मेकर्स ने ऋतिक को किया अप्रोच?

हालांकि, मेकर्स की ओर से जल्द ही कलाकारों की अनाउंसमेंट किए जाने की संभावना नहीं है। फिलहाल, फिल्म की स्क्रिप्ट पर अभी काम चल रहा है। इससे पहले, फ्रेंचाइजी के मेकर्स ने कहा था कि तीसरे पार्ट का शेड्यूल प्रशांत नील और यश की डेट्स पर निर्भर है। यश और प्रशांत दोनों इस समय अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। वहीं मेकर्स के तीसरे पार्ट की अनाउंसमेंट करने के बाद ऐसी

अफवाहें आ रही हैं कि इस पार्ट के लिए मेकर्स ने ऋतिक रोशन को अप्रोच किया गया है।

बता दें कि केजीएफ-2 में श्रीनिधि शेट्टी के किरदार को मृत दिखाया गया था। जिससे एक और एक्ट्रेस के तीसरे पार्ट में शामिल होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले कुछ सालों में हमने कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस को साउथ सिनेमा में हाथ आजमाते देखा है। दीपिका पादुकोण अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म 'प्रोजेक्ट के' में प्रभास के साथ दिखाई देंगी। दूसरी ओर, कृति सनोन भी 'आदिपुरुष' में प्रभास के साथ नजर आएंगी।

केजीएफ-2 ने वर्ल्ड वाइड करीब 1250 करोड़ कमाए

बता दें कि प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी केजीएफ-2 ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड्स तोड़े थे। सिर्फ हिंदी बेल्ट से ही फिल्म ने 430 करोड़ रुपए से ज्यादा का रिकॉर्ड बिजनेस किया था। वहीं फिल्म ने वर्ल्ड वाइड करीब 1250 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इस फिल्म को 14 अप्रैल 2022 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।

तीसरे पार्ट में और भी ज्यादा धमाकेदार सीन्स होंगेः यश

कुछ दिनों पहले दिए एक इंटरव्यू में 'रॉकी भाई' यानी यश ने बताया था कि फिल्म के तीसरे पार्ट में और भी ज्यादा धमाकेदार सीन्स होंगे। यश ने कहा था कि अभी रॉकी की जिंदगी और इसकी कहानी में बहुत कुछ है, जो तीसरे पार्ट में दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा था, मैंने और प्रशांत ने चलस्त्र-3 के लिए काफी सारे सीन्स सोचे हैं। बहुत सारी ऐसी चीजें थीं, जो हम 'चैप्टर 2' में नहीं कर सकते थे। इसलिए हम चाहते हैं कि बहुत सारी संभावनाएं हैं और ढेर सारे कमाल के सीन्स हैं, जिन्हें हम 'चैप्टर-3' में लेकर आने वाले हैं। लेकिन, यह सिर्फ अभी आइडिया है और हमने अभी के लिए उसे छोड़ा हुआ है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
All Accessories & General Electricals Items
Tata Play Connection Available
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI XII B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कौनकेरा में नशे से आजादी पखवाड़ा की शुरुआत

गरियाबंद। पुलिस मुख्यालय के निर्देश में गरियाबंद पुलिस कप्तान जेआर0 ठाकुर के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को 12 जून से 26 जून 2022 तक नशा से आजादी पखवाड़ा जागरूकता कार्यक्रम मनाए जाने के संबंध में निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के लिए रैली एवं कार्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गरियाबंद सिटीकोटवाली प्रभारी गौतम चन्द्र गावड़े के मार्दर्शन मे ग्राम कौनकेरा मदनपुर मे नशे से आजादी पखवाड़े का प्रारम्भ किया गया इस दौरान सैकडों की सँख्या में ग्रामीणो ने बेनर पोस्टर के साथ रैली निकाले और नशे के खिलाफ नारे लगाते हुए ग्राम भ्रमण किये। साथ ही पंचायत भवन में कार्यक्रम कर ग्रामीणो को श्री गावड़े ने नशे से आजादी दिलाने के संबंध में समझाईस दिए,और कहा कि आज के युवाओं का नशे के प्रति आकर्षण अधिक होने और अपने कैरियर के प्रति जागरूक ना होने के संबंध में जानकारी दिए।आगे कहा कि नशा करना बुरी बात है,इससे समाज एवं खुद के परिवार में बुरा प्रभाव पड़ता है।इस आदत को हमें दूर भगाना है की अपील किये।

स्कूलों में कक्षाओं के साथ प्रयोगशालाएं भी प्रारंभ करें

रायपुर। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के साथ ही प्रयोगशालाएं भी अनिवार्यत: प्रारंभ होनी चाहिए। संचालक लोक शिक्षण ने सभी संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी और हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि स्कूलों में प्रयोगशालाओं का विधिवत संचालन किया जाए। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य स्तरीय अधिकारियों को जिला आबंटित कर जिलों की शालाओं का संघन निरीक्षण करने का दायित्व सौंपा गया है। हायर सेकण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों को भी निरीक्षण का लक्ष्य दिया गया है। उल्लेखनीय है कि स्वयं प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग से विभिन्न राज्य स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों के संघन दौरे आगामी सप्ताह में होंगे। जिसमें मुख्यत: प्रयोगशालाओं का भी निरीक्षण किया जाएगा।

राहुल को बचाने वालों की हुई जयकार, रेस्क्यु आपरेशन के बाद हर तरफ खुशी का माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। बोरवेल में गिरे राहुल साहू को सकुशल बाहर निकाल लिए जाने के साथ ही ग्राम पिहरीद-मालखरौदा की घटना हर जगह सुर्खियों में है। देश में सबसे बड़े रेस्क्यु आपरेशन बन जाने के साथ ही इस आपरेशन को अंजाम देने वाले कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला एवं रेस्क्यु टीम को हर जगह से बधाइयां मिल रही है।

जिला ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में राहुल के रेस्क्यु के बाद शासन-प्रशासन के साथ बचाव दल के प्रति एक अलग ही माहौल है। धैर्य, साहस, वीरता की इस कहानी को जानने और सुनने वाले बचाव दल की प्रशंसा किये बगैर नहीं चूकते। वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस घटना का सतत् मॉनीटरिंग के लिए धन्यवाद तो देते ही है। जिला प्रशासन, एनडीआरएफ एसडीआरएफ सेना सहित बचाव में लगे सभी सदस्यों को भी बधाई देते हुए इनके कार्यों की सराहना कर रहे हैं। जिला कार्यालय में फूल-माला, शॉल-फल लेकर कलेक्टर से मिलकर उन्हें बधाई देने की होड़ सी लग गई है। बाहर जिला प्रशासन जिंदाबाद, राहुल को बचाने वालों की जय-जयकार...के नारे लग रहे हैं। एकजुटता और भाईचारे की मिसाल कायम करने वाली पिहरीद की घटना सभी के जेहन में रच-बस गई है। बोरवेल में 60 फीट नीचे गिरने के बाद सुरंग बनाकर भारी मशक्कत के साथ राहुल को बाहर निकाल लिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में अपोलो अस्पताल में राहुल का न सिर्फ बेहतर इलाज हो रहा है। राहुल तेजी से ठीक भी हो रहा है।

105 घण्टे तक चले इस रेस्क्यु ऑपरेशन में अपनी भूमिका निभाने वाले लोगों का न सिर्फ जगह-जगह सम्मान किया जा रहा है। अपितु इस तरह की घटना फिर कभी न हो, इसकी सबक व सीख भी ली जा रही है। जाजंगीर-चांपा जिले में कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला से मिलकर सभी जिला प्रशासन के कार्यों की जमकर सराहना कर रहे हैं। सुबह से शाम तक सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट में आकर राहुल को बचाने के लिए कभी मुख्यमंत्री तो कभी कलेक्टर और जिला प्रशासन के लिए नारे लगा रहे हैं। आज कलेक्टर को बधाई देने के लिए कक्षा छठवीं के छात्र कन्हैया, 7 वीं के छात्र राहुल खन्ना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा कई गांव के सरपंच भी पहुचे। इस दौरान कलेक्टर को बधाई देने के साथ ही ग्राम कचन्दा के सरपंच खगेन्द्र कश्यप, कामता के सरपंच छोटेलाल कश्यप, कुकदा के सरपंच शत्रुघ्न साहू ने कहा कि यह जिले के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। देश भर में जांजगीर-जिले को पहचान मिली है। बोरवेल से राहुल को सुरक्षित निकालने की दिशा में जो धीरज और साहस के साथ जिला प्रशासन ने काम किया है, वह काबिल ए तारीफ है। ग्रामीण लोकेश खुंटे, आर्यन रात्रे, सुरेन्द्र लहरे, सुरेन्द्र रत्नाकर, मनन्द रत्नाकर, धनंजय कठौतिया सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता है। चट्टानी पत्थर के बीच सुरंग खोदना और राहुल तक पहुचकर उन्हें बाहर निकाल लाना कोई आसान काम नहीं था। कलेक्टर ने अपनी टीम के साथ एक रणनीति के तहत एनडीआरएफ एसडीआरएफ सेना आदि के साथ समन्वय बनाकर आपरेशन राहुल-हम होंगे कामयाब को सफल बनाया है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग का आयोजन

माता कौशल्या के धाम में लोगों ने सीखा योग और संयम का पाठ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के चन्दखुरी स्थित माता कौशल्या के धाम से आज लोगों ने योग और संयम का पाठ सीखा। कौशल्या मंदिर प्रांगण में 21 जून को सुबह 7 बजे योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया. योगाभ्यास समारोह में रायपुर के महापौर श्री ऐजाज ढेबर भी सम्मिलित हुए. इस अवसर पर सात से अधिक योग प्रशिक्षकों तथा योगाचार्यों के मार्गदर्शन में 1200 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा योगाभ्यास, प्राणायाम, ध्यान का प्रदर्शन किया गया। कौशल्या माता प्रांगण में आयोजित योगाभ्यास समारोह में 1200 से अधिक वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, जनप्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। समारोह में योगाभ्यास माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में योगाभ्यास का व्यापक प्रचार-प्रसार तथा योग के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण करने का प्रयास भी किया गया। उल्लेखनीय है कि 11 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने का संकल्प लिया था। संकल्प में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकार किया है कि योग स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए पूर्णतावादी दृष्टिकोण प्रदान करता है। योगाभ्यास से व्यक्ति में प्रत्येक प्राणी के प्रति मानवता का भाव उत्पन्न होता है, इसलिए इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'मानवता के लिए योग' पर केन्द्रित किया गया है।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएँ - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि जिले में निर्माणाधीन स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराएँ। महोबे संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूरा कराएँ।

उन्होंने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत विकासखण्डवार और नगरीय निकायवार गोबर खरीदी की जानकारी ली और गोबर खरीदी का कार्य नियमित रूप से जारी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय में तैयार किए जा रहे सी-मार्ट से संबंधित शेष कार्यों की जानकारी ली और शीघ्र ही कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौठानों में संचालित आजीविकामूलक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने नरवा विकास के तहत् अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के संचालन तथा लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने जिले में कोविड-19 टीकाकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में वृहद वृक्षारोपण किए जाने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, राज्य सचिवालय, पीजीएन, कमिश्नर कार्यालय, कलेक्टर जनचैपाल आदि के प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की और शेष प्रकरणों का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एस.डी.एम. बालोद जी.डी.वाहिले, एस.डी.एम. गुण्डरदेही प्रेमलता चंदेल, एस.डी.एम.डौण्डीलोहारा मनोज कुमार मरकाम, एस.डी.एम. गुरूर रश्मि वर्मा, संयुक्त कलेक्टर अभिषेक दीवान, डिप्टी कलेक्टर अमित वास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी आदि उपस्थित थे।

बारिश की झड़ी में निकलीं महापौर ने जाम नालों की कराई सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। महापौर जानकी काट्जू एवं स्वास्थ्य प्रभारी संजय देवांगन ने लगातार हो रही बारिश में ही निकलकर कई वार्डो के नालों का निरीक्षण किया साथ ही निगम के सफाई गैंग और संसाधनों के साथ जाम नालों को सफाई कर खुलवाया ताकि जलभराव की समस्या न हो।

नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष नालों की प्री मानसून सफाई अभियान चलाई जाती है ताकि शहर में जलभराव की समस्या न हो और बीते कई वर्षों से इस समस्या पर काबू पाया गया है फिर भी कई ऐसे क्षेत्र है जो ढलान में है या बहाव क्षेत्र में हैं वहां लगातार बारिश से जल भराव हो जाता है ,उन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए महापौर जानकी काट्जू एवं स्वास्थ्य प्रभारी संजय देवांगन ने

बारिश आरम्भ होते ही वैसे क्षेत्र वार्ड क्रमांक 4 फ्रेंड्स कालोनी के पास,वार्ड क्रमांक 5 हीरो होंडा शो रूम के पास,वार्ड क्रमांक 7 इंदिरानगर ,वार्ड क्रमांक 24 मोदी नगर के नाले एवं वार्ड क्रमांक 25 चिरंजीव दास नगर ,

के नालों को नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत सफाई कर्मी एवं संसाधनों द्वारा जाम नालों को खुलवाया गया।निरीक्षण दौरान एम आई सी सदस्य लोक निर्माण विभाग प्रभारी विकास ठेठवार,पार्षद डॉक्टर प्रतीक ववविश्वास, काट्जू,स्वास्थ्य निरीक्षक राजू पांडेय एवं निगम टीम उपस्थित रहे। महापौर जानकी काट्जू ने बताया कि अभी बारिश की शुरुआत हुई है आगामी दिनों में मूसलाधार बारिश भी हो सकती है बाढ़ एवं जलभराव की समस्या आ सकती है ,वैसे तो शहर के प्रमुख नालों को चौड़ा कर निकासी हेतु रास्ता निकाला गया है,फिर भी हम पहले ही सतर्क होकर नालों की सफाई करवा रहे है।स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी बारिश को देखते हुए कर्मचारियों की टीम मुस्तैद कराई गई है त्वरित निरॉकरन हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य प्रभारी संजय देवांगन ने बताया कि बारिश से पहले नालों की सफाई कार्य आरम्भ है और शहरवासियों से अपील की गई थी कि कचरा नाली में न फेके ,रिक्शा दीदी के रिक्सा में देवे ताकि जाम की स्तिथि न आये थोड़ी सी लापरवाही के कारण जलभराव एवं बाढ़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, पुन: अपील है अपने आस पास स्वच्छता बनाये रखें कचरा स्वच्छता दीदियों को ही देवे।

जिले में डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन 5 जुलाई तक

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे के मार्गदर्शन में जिले में 21 जून 2022 से 05 जुलाई 2022 तक गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। जिला नोडल अधिकारी डॉ. एस.के.सोनी ने बताया कि जिला पखवाड़ा के अन्तर्गत शून्य से पॉच वर्ष के बच्चों का सूचीकरण उनके माता-पिता को जागरूक करते हुए किया जाएगा तथा ओ.आर.एस. एवं जिंक गोली का वितरण किया जाएगा। मितानिन के द्वारा ओ.आर.एस. घोल बनाने की विधि, सभी परिवार के लोगों को स्वच्छता की जानकारी, डायरिया प्रकरणों की पहचान संबंधी जानकारी दिया जावेगा। ग्रामीण स्तर पर गृह भ्रमण के दौरान हाथ धोने के विधि का प्रदर्शन व भोजन के पहले साबुन तथा पानी से हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया जाएगा।

जनचौपाल में मिले 18 आवेदन

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह सोमवार को आयोजित जनचौपाल में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 18 लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर आवेदकों को उनकी समस्या के निराकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनचौपाल में 18 नागरिकों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। जनचौपाल में ग्राम चिंगरपार के माखनलाल और यादराम देवांगन ने वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन दिया। जिसे समाज कल्याण विभाग को प्रेषित करते हुए आवश्यक निराकरण के निर्देश दिये गये। ग्राम बेलटुकरी के कार्तिक साहू ने शौचालय निर्माण के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास में शौचालय की आवश्यकता है।

खास-खबर

कसडोल में अवैध हथियार सहित रायपुर के 4 गिरफ्तार

कसडोल (ए)। कसडोल क्षेत्र के जंगल में बाहर से आकर अवैध शिकार की सूचना पर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी आशीष सिंह राजपूतने बताया कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति कार सीजी-04-एनएस 1123 में पीपरछेड़ी के जंगल में घूम रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। शहीद नकवी पिता एसएम नकवी बैरनबाजार रायपुर जो माइनिंग विभाग मे सुपरवाइजर है, मोहम्मद वसीम खान पिता आशिप वसीम धरसीवां रायपुर जो वन विभाग मे फारेस्ट गार्ड है, नवाज खान पिता अब्दुल कादिर ग्राम जेबा में मजदूरी करता है एवं आनंद श्रीवास्तव पिता सत्यनारायण श्रीवास्तव जो ठेकेदार है को गिरफ्तार किया गया है। चारों से मैगजीन सहित 24 रावण पाइंट 2-2 के गन जिसमें टेलीस्कोप लगी है, एक नग टंगिया, जिसमे, चमड़ा छीलने के दो नग चाकू, तीन नग बकरा काटने का बड़ा कट्टा, धार करने का पत्थर, 4 नग मोबाइल व 12,190 रुपए नगद जब्त किए गए हैं।

बच्चों के अश्लील वीडियो अपलोड करने वाले पर अपराध दर्ज

रायपुर (ए)। इंटरनेट मीडिया में बच्चों के अश्लील वीडियो अपलोड करने वाले आरोपियों पर रायपुर पुलिस के अधिकारी लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की टीम द्वारा इंस्टाग्राम-फेसबुक में अश्लील वीडियो अपलोड करने वाले दो मोबाइल नंबरों की जानकारी मिली थी। टावर लोकेशन के आधार पर आरोपियों ने जहां से वीडियो अपलोड किया था, वहां के निकटतम थाना में मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ केस दर्ज किया है। सरस्वती नगर थाने में दो केस दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अलग-अलग थाने में सात केस दर्ज किए गए थे। आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है।

एयरपोर्ट की पार्किंग में सवारी बैठाने को लेकर मारपीट

रायपुर (ए)। रायपुर एयरपोर्ट की पार्किंग में सवारी बैठाने को लेकर प्राइवेट कार संचालक भाइयों ने पार्किंग ठेकेदार की पिटाई कर दी। पुलिस ने बताया कि विवेकानंद नगर टेमरी निवासी प्रवेश दुबे ने एयरपोर्ट की पार्किंग का ठेका लिया है। पार्किंग में प्राइवेट वाहन और ओला कंपनी संचालित वाहनों के द्वारा सवारी लेने पर एयरपोर्ट अथारिटी द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। शनिवार को प्राइवेट कार के संचालक हरविंदर सिंह उर्फजिंद और उसका भाई नवतेज सिंह उर्फ सन्नी प्रतिबंधित क्षेत्र में आकर सवारी बैठाने लगे। मना करने पर गाली-गलौज की। इसके बाद मारपीट भी की। ठेकेदार की शिकायत पर माना थाना में मारपीट की धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जादू-टोना के शक में वृद्ध महिला की हत्या, गिरफ्तार

रायपुर (ए)। बहन पर जादू-टोना करने के शक में एक भाई ने गांव की वृद्ध महिला की निर्मम हत्या कर दी है। मामला छुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम गिधवाभंवर का है। जहां 75 वर्षीय महिला मानबाई साहू की हत्या के आरोप में पुलिस ने गिधवाभंवर में रहने वाले आरोपित सोनसाय मंडावी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित लगभग 20 साल से वृद्ध महिला के साथ रंजिश रख रहा था। हत्या के पहले भी आरोपित ने वृद्ध महिला के साथ मारपीट की थी। हालांकि उस घटना में महिला बच गई थी। लेकिन इस बार आरोपित ने महिला को मौत के घाट उतार दिया। छुरिया पुलिस ने रविवार को संदेह होने पर आरोपित सोनसाय को गांव से ही हिरासत में लिया और पूछताछ की, जिसके बाद पुलिस ने आरोपित को जेल भेज दिया है।

चोरी के पैसों से खरीदते हैं दिलचस्प कोटेशन लिखी टी-शर्ट और गांजा, 7 लाख के माल के साथ 3 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस ने एक चोर को पकड़ा है। इसे दिलचस्प बातें लिखी टी-शर्ट पहनने का शौक है। शहर के अलग-अलग मोहल्लों में चोरी करता है। चोरी के रुपयों से रंग बिरंगी टी-शर्ट खरीदता है। अपने नशे के शौक को पूरा करता है। पुलिस जब उसे पकड़कर थाने लाई तो भी उससने टी-शर्ट पहन रखी थी, जिस पर लिखा था- जैसी दुनिया वैसे हम।

सिर्फ 22 साल के इस चोर का नाम दीपक चौहान उर्फ झारखंडी है। दुर्ग जिले के कुम्हारी के रहने वाला दीपक रायपुर में अपने दोस्तों के साथ मिलकर कई मकानों में चोरी कर चुका है। इसका साथी आमानाका का रहने वाला पुराना चोर शरद वर्मा और कबीर नगर का रहने वाला संजय चौहान भी गिरफ्तार हुए हैं।

इन जगहों पर की चोरी

9 जून:- डीडी नगर सेक्टर 4 के सुरेश ठाकुर के घर से भी कैश और जेवरात चोरी किए थे।

7 जून:- डीडी नगर बिजली ऑफिस के पास रहने वाले सूरज ठाकुर के घर से अलमारी में रखी चांदी की मूर्ति, चांदी के सिक्के, बच्चों के गोल्ड इयर रिंग और पैसे चुराए थे।

2 जून:- डीडी नगर इलाके के राजू वर्मा के घर से कैश और जेवर चुराए। इसके बाद कोटा इलाके के रहने वाले विजय यादव के घर के बाहर खड़ी एक्टिवा चुरा ले गए।

10 फरवरी:- अमित ठाकुर नाम के आमानाका निवासी शख्स की बाइक चुरा ली थी। इन सभी मामलों में पुलिस को इनकी तलाश थी।

ऐसे आए पकड़ में

जिन अलग-अलग जगहों पर चोरी हुई थी पुलिस सभी जगहों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी। एक सीसीटीवी फुटेज में इन चोरियों में शामिल आरोपी शरद वर्मा नजर आ गया। शरद वर्मा का पुराना चोरी का रिकॉर्ड रहा है। पुलिस ने फौरन उसे गिरफ्तार किया पूछताछ करने पर उसने बताया कि दीपक और संजय के साथ मिलकर चोरियों को अंजाम दिया था। इसके बाद शरद के दोनों साथी भी पकड़े गए। अब इनके पास से चोरी का लगभग 8 तोला सोना 850 ग्राम चांदी के जेवरात 51300 नगद एक बाइक और एक स्कूटर कुल मिलाकर लगभग 7 लाख का सामान बरामद हुआ है।

नशे की लत पूरी करने बन गए चोर

चोरियों की वारदात में गिरफ्तार हुए तीनों ही आरोपी अलग-अलग वारदातों में शामिल रहे हैं । पुलिस ने बताया कि तीनों नशे के आदी हैं। चोरी के फौरन बाद चीजों को इधर-उधर बेचकर रुपयों का इस्तेमाल गांजा पीने और नशे की लत को पूरा करने में खर्च कर डालते हैं। कभी दोस्त- यारों को ढाबों में दावत देते हैं, तो कभी अपने लिए कपड़े खरीदते हैं। इसके बाद फिर नई वारदात की प्लानिंग करते हैं। फिलहाल इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

हथियार लेकर तीन युवक घर में घुसे दंपती के हाथ-पैर बांध ले गए जेवर

अंबिकापुर (ए)। शहर से लगे घंघरी गांव में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात घर में घुसकर बदमाशों ने एक वृद्ध दंपति से लूटपाट की। देर रात पानी पीने के बहाने बदमाशों ने दरवाजा खुलवाया और फिर पति-पत्नी को कब्जे में ले लिया। कनपटी पर कट्टा अड़ा उनके हाथ पीछे कर रस्सी से बांध दिए।

इसके बाद वृद्धा के गले से सोने के मोहर लगी माला, कान का एक टॉप्स, हाथ से चांदी का कड़ा उन्होंने जबरन उतरवा कर रख लिया। फिर पूरे आराम से घर की तलाशी ली और पेटी में रखे 5 हजार रुपए, बर्तन एक बैग में रखकर वहां से फरार हो गए। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे और चेहरे को मास्क से ढंके हुए थे, ताकि पहचान न हो सके।

उनके जाने के बाद मामले का खुलासा तब हुआ, जब दंपति रामसाय व जगबाई ने आवाज लगाई और आसपास के लोग पहुंचे। सुबह दोनों ने थाने में आकर जानकारी दी तो पुलिस भी हरकत में आ गई। टीआई अलरिक लकड़ा के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबिन की, लेकिन वहां से कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने लुटेरों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कान का टॉप्स व नाक की कील नहीं निकाल पाए

जगबाई ने बताया कि बदमाशों ने उसके गले पर चाकू अड़ा दिया था। इसके बाद एक बदमाश ने उसके गले से सोने की मोहर वाली माला, हाथ से चांदी का कड़ा व एक कान से सोने का टॉप्स निकाल लिया। दूसरे कान से टॉप्स व नाक की कील वे नहीं निकाल पाए। इसके बाद वहां से तीनों फरार हो गए। जगबाई के एक कान में टॉप्स व नाक में सोने की कील पड़ी हुई थी।

चोरी के मामले के आरोपियों का नहीं चला पता

एक महीने के भीतर शहर में पांच बड़ी चोरियां हुईं। इसमें कोतवाली अंतर्गत जनपथ

रोड स्थित एक आटो पार्ट्स दुकान से एक लाख रुपए कैश चोरी चले गए थे। इसी प्रकार गांधीनगर थाना अंतर्गत जून के पहले सप्ताह में एक-एक कर चार चोरियां हुईं और इनके बारे में एक ही दिन पता चला। सभी घर सूने थे। इन घरों से कुल 6 लाख के करीब जेवर व सामान चोरी गए हैं। अब तक इनके आरोपी नहीं पकड़े गए हैं।

सिलसिले वार वारदात से पुलिसिंग पर सवाल

पुलिस रात में पेट्रोलिंग व गश्त का दावा करती है, लेकिन अभी फिर से शहर व आसपास के इलाके में चोरी के बाद लूट जैसी वारदात सामने आने लगी है। पिछले दिनों अलग-अलग जगह शहर में चोरी की चार वारदात हुई। इसके बाद गांधीनगर एक लूट हुई, लेकिन राहत यह रही कि लोगों ने आरोपी को तुरंत पकड़ लिया गया। अब लूट की दूसरी वारदात हो गई। इससे पुलिसिंग पर सवाल उठ रहे हैं।

चाकू और कट्टे से लैस से थे बदमाश, सहमा परिवार

वारदात के शिकार हुए रामदास और उनकी पत्नी जगबाई सोमवार सुबह गांधीनगर थाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे रात में सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी पानी पीने के बहाने तीन युवक पास आए और दरवाजा खुलवा कर हम लोगों को भी अंदर लेकर चले गए। उनमें से एक कट्टा रखे हुए था, जबकि दूसरा चाकू से लैस था।

भीषण सड़क हादसा, 3 की मौत

खड़ी ट्रेलर से जा टकराई कार, 2 युवतियां घायल, सभी कोरबा के रहने वाले

बिलासपुर। बिलासपुर में सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। दरअसल, कार सवार पांच लोग कोरबा से बिलासपुर आ रहे थे। तभी नेशनल हाईवे के किनारे खड़ी ट्रेलर से तेज रफ्तार कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार 2 युवतियां गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा रतनपुर थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कोरबा के बुधवारी बाजार के पास रहने वाले हिमांशु सिंह(27), सूरज राठौर(24), अपर्णा यादव, तनीषा आदिले और स्नेहा रविवार की रात कार में सवार होकर बिलासपुर तरफ आने के लिए निकले थे। घटना तड़के तीन से चार बजे की है। उनकी कार नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार से आ रही थी। अभी वे रतनपुर क्षेत्र के भरारी के पास पहुंचे थे। उसी समय सड़क किनारे खड़ी ट्रेलर को कार चालक नहीं देख पाया और अनियंत्रित कार ट्रेलर से जा टकराई।तीन लोगों की मौके पर हो गई मौत

हादसा इतना जबरदस्त था कि ट्रेलर से टकराने के बाद जोरदार आवाज आई। कार के सामने का हिस्सा ट्रेलर में जा घूसा। हादसे में कार सवार हिमांशु सिंह, सूरज राठौर और अपर्णा यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तनीषा आदिले ठाकुर और स्नेहा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सिम्स ले जाया गया था। बाद में तनीषा की हालत को देखते हुए उसे रायपुर रेफर किया गया है।

रतनपुर टीआई शांत कुमार साहू ने बताया कि हादसा हुआ, तब कार सवार लोगों की पहचान नहीं हुई थी। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। दो लोग घायल थे और दोनों बोलने की स्थिति में नहीं थे। सुबह होने के बाद पुलिस ने जानकारी जुटाई, तब पता चला कि कार सवार सभी लोग कोरबा के रहने वाले हैं। उनके परिजन को हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं। उनसे पूछताछ के बाद पता चलेगा कि कार सवार लोग कहां जा रहे थे। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

याचिकाकर्ता उप वनमंडलाधिकारी को मिली हाई कोर्ट से राहत

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि सेवानिवृति होते तक याचिकाकर्ता अपने वर्तमान पदस्थापना वाली जगह पर कार्य करते रहेंगे। सेवानिवृति के बाद ही शासन द्वारा आदेश सशर्त तबादला आदेश पर अमल किया जाना है। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने राज्य शासन को आदेश जारी करने के साथ ही याचिका को निराकृत कर दिया है। धमतरी जिले के बिरगुड़ी अनुविभाग के उप वनमंडलाधिकारी हरीश पांडेय ने अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी व नरेन्द्र मेहेर के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि उनकी पदस्थापना धमतरी जिले के बिरगुड़ी अनुविभाग में उप वनमंडलाधिकारी के पद पर हुई थी। जो कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के महासचिव हैं। 21 अप्रैल 2022 को शासन द्वारा एक आदेश जारी किया गया। इसमें मैनपुर में कार्यरत सहायक संचालक एसएस नाविक को उनके स्थान पर उप वनमंडलाधिकारी के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया था। लेकिन इस आदेश में स्पष्ट लिखा गया था कि नाविक को बिरगुडी में उनके सेवानिवृति पश्चात ही पदस्थापना दी जाए।

तबादला आदेश के बाद नाविक ने धमतरी के वन मंडलाधिकारी कार्यालय में 27 मई 2022 को कार्यभार ग्रहण कर लिया था। जबकि उनकी सेवानिवृति 31 दिसंबर 2022 को होनी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी ने पैरवी करते हुए कहा कि नाविक के संबंध में राज्य शासन ने 21 अप्रैल 2022 को जारी तबादला आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया है कि उनकी पदस्थापना याचिकाकर्ता की जगह तब की जाएगी जब वे सेवानिवृत हो जाएंगे। नाविक के अलावा विभाग के अधिकारियों ने शासन के स्पष्ट दिशा निर्देश और सशर्त तबादला आदेश का सीधा-सीधा उल्लंघन कर दिया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No.: 07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(Zonal Tender) सूचना तृतीय बार

क्रमांक/10/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2022-23 बालोद, दिनांक 17.06.2022

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) डौण्डीलोहारा हेतु ग्रुप (अ,ब एवं स) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01 नवंबर 2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित एवं प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 7.2.2015 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 28.06.2022 को अपरान्ह 5.30 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से आमंत्रित की जाती है तथा निविदा दिनांक 29.06.2022 को 11.30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी:-

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख (प्रति ग्रुप)
(2) अमानत राशि रू. 20000.00 (प्रति ग्रुप)
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रू. 750.00 (प्रति ग्रुप)

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://cg.nic.in/resworks एवं http://cg.nic.in/resworks/Tender_test_report.aspx या अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 17.06.2022 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

(जे.आर.रजक)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-92247/5

जीपीएफएसपी की फर्जी आईडी बनाकर रुपये मांगने वाला यूपी से गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के एसपी सूरज सिंह परिहार के नाम से फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर लोगों से पैसे मांगने वाले आरोपित को पुलिस ने यूपी से गिरफ्तार किया है। आरोपित को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की एएसपी अर्चना झा ने बताया कि एक साल पहले तत्कालीन एसपी सूरज सिंह परिहार के नाम से फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर रुपये मांगने की शिकायत मिली थी। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। साइबर सेल की जांच में आरोपित की लोकेशन उत्तर प्रदेश में मिली। इस पर पुलिस की एक

टीम को उत्तर प्रदेश रवाना किया गया। टीम ने 10 दिनों से उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में कैंप कर आरोपित की जानकारी जुटा रही थी।

इस दौरानपता चला कि आरोपित मथुरा जिले के कोशीकला थाना अंतर्गत नंगला उतावर का रहने वाला आदिल खान(19) है। पुलिस ने आरोपित के ठिकाने पर दबिश देकर उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने एसपी के नाम फेसबुक में फर्जी आइडी बनाना बताया। उसके कब्जे से पुलिस ने एक दो मोबाइल और एक सिम जब्त कर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ले आई। यहां उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

पेंशन हितग्राही अपने विभिन्न खातों में चेक कर सकते हैं पेंशन की राशि

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत पेंशन हितग्राही अपने विभिन्न खातों में पेंशन की राशि आई है या नहीं चेक कर सकते हैं, अधिकतर हितग्राहियों के पास एक से अधिक खाता होने के कारण और इसका विवरण निगम में दिए होने के कारण, हितग्राहियों के पेंशन की राशि उन्हीं के दूसरे खाते में आधार लिंक होने के कारण पेंशन की राशि चली जाती है, किंतु हितग्राही के संज्ञान में यह नहीं रहता। इसलिए निगम इन हितग्राहियों से अपील करता है कि हितग्राही को समय-समय पर अपने सभी बैंक खातों की जांच कर लेनी चाहिए कि पेंशन की राशि किस खाते में आई है, यदि इसके बाद भी पेंशन की राशि प्राप्त नहीं हो रही हो तो इसके लिए निगम मुख्य कार्यालय में अजय शुक्ला से संपर्क कर सकते हैं।

नगर सेवा विभाग द्वारा वर्षा पूर्व नाला की सफाई का कार्य जारी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष मानसून के पूर्व लगभग 7.5 किलोमीटर लंबाई के मुख्य नालों की सफाई का कार्य किया जाता है, ताकि भिलाई टाउनषिप शहर के निचले इलाके में जलभराव की विषम स्थिति उत्पन्न न हो। नगर सेवा विभाग, अपने कर्मचारियों तथा अधिकारियों के साथ इस्पात नगरी में रहने वाले नागरिकों की आवासीय समस्या के समाधान के लिये हमेषा प्रयासरत रहता है।

विधायक देवेंद्र यादव ने किया स्टेडियम का निरीक्षण, कार्य जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के जोन 4 खुर्सीपार क्षेत्र में इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। यह भिलाई का पहला नेशनल स्तर का इंडोर स्टेडियम है, जहां सभी प्रकार की सुविधाएं होगी। भिलाई नगर विधायक कीपहल से इसका निर्माण किया जारहा है। निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव मौके पर पहुंचे।

उन्होंने पूरे स्टेडियम का बारीकी से निरीक्षण किया और सभी चीजों की पूरी जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी प्रकार की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इसके अलावा काम में लेटलतिफी भी नहीं करना है। टेंडर के नियम शर्त के मुताबिक समय पर काम पूरा कराएं। ताकि जल्द से जल्द खुर्सीपार छावनी सहित पटरीपार क्षेत्र के खिलाड़ियों को इस इंडोर स्टेडियम का लाभ मिल सकें। निरीक्षण के दौरान महापौर नीरज पाल, लोककर्म प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर, जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, एल्डरमेन नर्सिंग नाथ, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी पटेल सहित निगम व पीडब्लयूडी के अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

3 करोड़ की लागत से बन रहा इनडोर स्टेडियम

भिलाई में प्रदेश का सबसे खास और नेशनल स्तर का इंडोर स्टेडियम बन रहा है। जहाँ सभी जरूरी सुविधाओं से लैस होगा। अधिकारियों ने बताया कि करीब 2 करोड़ 99 लाख 99 हजार की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा है। यहाँ कई खेल सुविधाएं होंगे। जैसे कि 2 नग (वुडन पलोरिंग), 1. बैडमिंटन कोर्ट -1 नग (बुडन प्लोरिंग),2 स्क्वाश रूम, 3 कोर्ट टेबल टेनिस, कैरम रूम 6 (टेबल) शतरंज टेबल सहित खेल प्रोत्साहन हेतु मीटिंग हॉल का निर्माण किया जाएगा। साथ ही यहाँ लड़का लड़कियों के लिए अलग अलग शौचालय भी बनाया जाएगा।

खिलाड़ियों को मिलेगा लाभ

खुर्सीपार छावनी सहित पटरीपार इलाके के बच्चों में भी खेल प्रतिभा है। लेकिन उनके इस खेल प्रतिभा को निखारने के लिए कोई सुविधा नहीं है। इसलिए हम खुर्सीपार क्षेत्र में एक सर्व सुविधा युक्त इंडोर स्टेडियम का निर्माण करवा रहे हैं। जहां कई प्रकार के खेल अभ्यास करने की सुविधा होगी। जल्द ही इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा और इसे हमारे भिलाई के खिलाड़ियों को समर्पित कर दिया जाएगा।

देवेंद्र यादव, विधायक भिलाई नगर

खेड़ूले कुनबी समाज ने कराया निर्धन कन्या का विवाह

टेंट पंडाल व प्रीति भोज का का खर्च उठाकर भेंट की गृहस्थी का सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खेड़ूले कुनबी समाज ने एक निर्धन कन्या का विवाह संपन्न कराकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। 19 जून को समाज की कन्या पूजा का विवाह अमोल के साथ महाराष्ट्रीयन रिति रिवाज से संपन्न कराया गया। समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस विवाह में टेंट पंडाल व प्रीति भोज का खर्च उठाकर गृहस्थ जीवन में उपयोगी सामान उपहार में दिए।

खेड़ूले कुनबी समाज से ताल्लुक रखने वाली श्रीमती राधिका तुपट को अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते बेटी पूजा तुपट की शादी को लेकर चिंता खाए जा रही थी। उनकी इस चिंता को खेड़ूले कुनबी समाज ने मिलकर दूर कर दिया। पूजा के पिता माधव राव तुपट का बहुत पहले निधन हो चुका है। समाज के पदाधिकारियों के संज्ञान में बात आने पर बैठक कर पूजा की शादी कराने का निर्णय लिया गया।

19 जून को कालीबाड़ी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में धूमधाम के साथ पूजा की शादी अमोल कुमार खड़से पिता पांडुरंग खड़से और माता कुमुदिनी खड़से के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नाकतोड़े, उपाध्यक्ष मुकेश नाकतोड़े, सचिव रवि प्रधान, कोषाध्यक्ष रवि आठोड़े, सूरज लाल ठाकरे सुरेश भिसार, महेश भिसार, महेश ठाकरे, चंद्रकांत नरवाले, चंद्रहास बेदरे, छबीलाल सिलारे, एवं शरद सहारे सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

एस मुखोपाध्याय ने भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक का पदभार संभाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एस मुखोपाध्याय ने आज 20 जून 2022 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (परियोजना) का कार्यभार संभाल लिया है। 15 जून 2022 को कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नत होने से पहले, मुखोपाध्याय सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में मुख्य महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) पदस्थ थे। इंस्ट्रुमेंटेशन में विशेषज्ञता के साथ बी टेक डिग्री हासिल करने के पष्चात् मुखोपाध्याय, जुलाई 1989 में बोकारो इस्पात संयंत्र में प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में सेल में शामिल हुए थे। मुखोपाध्याय ने बोकारो इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रुमेंटेशन और ऑटोमेशन विभाग में तीन दशकों से अधिक समय तक अपनी सेवाएं प्रदान की है। 1999 में प्रबंधक, इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन और उसके बाद सतत प्रगति करते हुए में मुखोपाध्याय 2012 में उप महाप्रबंधक (इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) बने। उन्हें 2018 में महाप्रबंधक (इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) और फिर सितंबर 2019 में मुख्य महाप्रबंधक (इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) के रूप में पदोन्नत किया गया था।

अप्रैल 2021 में मुखोपाध्याय को मुख्य महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) के रूप में सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र के पूरे मेंटेनेंस क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई। मुखोपाध्याय को इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन के साथ इस्पात बनाने की तकनीक का लंबा अनुभव है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सूर्योदय के साथ, चिडियों की चहचहाटो की मधुर ध्वनि, एवं प्राक्रतिक छटा से सुसज्जित सेक्टर 7 स्थित तालाब के मध्य में विचरण करती हुई नौका में संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा एवं प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा कमल आसन योग मुद्रा पर विराजित तपस्या के लिए प्रेरणा देता अलौकिक वातावरण में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में तन और मन को स्वस्थ रखने के संकल्प के साथ योग कर विश्व में शांति के प्रकम्पन प्रवाहित किए गए ।

राजयोग के प्रात: सत्र में भिलाई सेवा केन्द्रों की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से मन बुद्धि संस्कारों में हल्कापन आता है, तथा बुद्धि की निर्णय शक्ति बढ़ती है। योग द्वारा हमारे आंतरिक मन की स्थिति का प्रभाव प्रकृति एवं हमारे किए कर्मों पर पड़ता है। योग के नियमित अभ्यास से हर कार्य सरल, सहज और संभव है।

आपने पूण्य कर्मों के बारे में बताते हुए कहा कि पुण्य कर्म दिखावा नहीं बल्कि दिल से होता है आवश्यकता के समय किसी मनुष्यात्मा का सहयोगी बनना है। ना दुख दो, ना दुख लो, सुख दो, सुख लो यह परमात्म महावाक्य रूपी स्लोगन को अपने जीवन में धारण करे।

दृढ़ धारणा की कमी और अटेंशन के परहेज से ही हमें तनाव होता है। आशा बहन जी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 40 वर्षों से भी अधिक मास के हर तीसरे रविवार को भारतीय समय अनुसार शाम 6:30 से 7:30 तक पूरे विश्व के सेवाकेंद्रो में एक संकल्प के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता हैं। सभी भिलाई वासियों के लिए 20 से 22 जून को सुबह 7:00 से 7:30 तक आधे घंटे के लिए योग द्वारा संबंधों में मधुरता विषय पर राजयोग सत्र का आयोजन किया गया है जिसमें सभी भाग ले सकते हैं । ब्रह्मा वत्सो ने बड़ी संख्या में उपस्थित हो योग कर दूसरों को भी योग करने के लिए प्रेरित किया।

मोर मकान मोर आस योजना के लिए आवासहीन किरायेदारों की लगी रही भीड़ पहले दिन 176 लोगों ने खरीदा आवेदन पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत मोर मकान मोर आस योजना के तहत् शहर में रह रहे आवासहीन किरायेदारो को मकान खरीदने के लिए सुनहरा मौका दिये है । इस योजना के तहत् आज नगर निगम क्षेत्र में जोन कार्यालयों के माध्यम से आवेदन पत्र बिक्री की गई, जरूरतमंद, हितग्राहियों ने दफ्तर पहुंचकर आवेदन पत्र लिए! नगर पालिक निगम, दुर्ग मुख्य कार्यालय, उरला कार्यालय, आदित्य नगर मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, व बोरसी स्थिति मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय में आवेदन पत्रों का वितरण किया गया । मुख्य निगम कार्यालय में 124 हितग्राहियों ने आवेदन प्राप्त किये । उरला स्थित मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय में 08 हितग्राहियों, बोरसी स्थित मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय में 18 हितग्राहियों तथा आदित्य नगर स्थित मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय से 26 हितग्राहियों ने आवेदन प्राप्त किये । आवेदन लेने वाले हितग्राहियों से आवेदन शुल्क के रूप में 100 रूपये लिया गया तथा आधार कार्ड के आधार पर नाम व पता रजिस्टर एवं आवेदन पत्र की पावती में उल्लेखित किया गया । ज्ञात हो कि मोर आवास मोर आस योजना के तहत् 20 जुन से आगामी 15 जुलाई तक हितग्राहियों को आवेदन पत्र देने का निर्णय लिया है।इसके पश्चात् 18 जुलाई से 29 जुलाई तक उस आवेदन पत्र को जमा किया जावेगा। आवेदन पत्र लेने के लिए निगम कार्यालय सहित अन्य वार्ड कार्यालयों में हितग्राहियों की भीड़ लगी रही निगम द्वारा हितग्राहियों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए पर्याप्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई । निगम कार्यालयों में यह कार्य सुचारू ढंग से संपादित किया जा रहा है । आवेदन जमा करने की प्रक्रिया 18 जुलाई से 29 जुलाई तक की जावेगी । कार्यालयीन दिवस में सुबह 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक यह जारी रहेगा।

जे. आर.डी. विद्यालय का गौरवशाली इतिहास

यहां के छात्र अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर दुर्ग शहर का नाम किए है रौशन - अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम जे.आर.डी. शा. बहु. उमा.वि, दुर्ग में शाला प्रवेश उत्सव विधायक दुर्ग शहर एवं अध्यक्ष नागरिक आपूर्ति निगम केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त के मुख्य आतिथ्य अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता एवं शाला विकास समिति सदस्य अजय शर्मा एवं दीपक चावडा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा छात्र छात्राओं को पाठ्य पुस्तक प्रदान कर स्वागत किया गया। संबोधन करते हुए अरुण वोरा ने कहा कि जे.आर.डी. विद्यालय का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां के छात्र अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का और दुर्ग शहर का नाम रोशन किए हैं। मुझे यहां आने पर अपना छात्र जीवन याद आ रहा है। सन् 1972 में मैं भी अपने पिता जी श्रीमोती लाल वोरा के साथ इस विद्यालय में प्रवेश लेने आया था। बच्चे स्वामी आत्मानंद के व्यक्तित्व को आदर्श मानकर अपने जीवन में उतारे और एक उद्देश्य लेकर अपनी पढाई पूरी करें। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक अरुण वोरा द्वारा इस विद्यालय को उत्कृष्ट बनाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। और विकास हेतु करोडों की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। हम सब गरिमा के अनुरूप विद्यालय के हित में कार्य करेंगें। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। प्राचार्य श्रीमति एस. संगीता नायर ने स्वागत भाषण करते हुए उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय उन्नत होने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और विद्यालय की ओर से आश्वस्त किए कि हम सब मिलकर स्वामी आत्मानंद के व्यक्तित्व के अनुरूप विद्यालय के हित में कार्य करेंगें और बेहतर परिणाम देंगें। इस अवसर पर विद्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले प्रधान पाठक मनहरण लाल साहू का विदाई एवं अभिनंदन किया गया। सभा को संबोधित करने वालों में अजय शर्मा, दीपक चावडा,विकास यादव एवं व्याख्याता मंजीत सिंह राजपूत थे। मंच संचालन सतीश जोशी ने किया अभार व्यक्त करते हुए उप प्राचार्य लखन लाल साहू ने कहाँ कि हमारे लिए गौरव का विषय है कि अरुण वोरा इस विद्यालय के छात्र रहे है और आज हमारे मुख्य अतिथि के रुप में दुर्ग शहर के विधायक है।इस समारोह में सभी छात्र छात्राओं का स्वागत किया गया पाठ्य पुस्तक प्रदान कर मिष्ठान वितरण किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित रहने वालो में व्याख्यातागण आर.के. दुबे, जे. बी. सिंग, राजकुमार राजपूत, एनी. थॉमस, पी. शैलजा, पूनम दीवान, अनीता अरोरा, शुक्ला डे, वर्षा फेंकलिन, किरण टांक, संगीता दुबे, अनिल सिंग, सतीश, कल्पना, रश्मि, हितेश्वरी एवं पूर्व माध्य. विद्यालय से सरस्वती देशमुख, सुनील केशरवानी, कृतार्थ दुबे आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950